https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
मंगलवार, 14 अप्रैल 2026
वर्ष 18 अंक 210
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 39° से.
न्यूनतम : 24° से.

jantaunion@gmail.com

एक बदमाश गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद...- 3 | डीएम ने किया टारगेट फिक्स, जनपद में 30 अप्रैल...-8

सार संक्षेप

बलूचिस्तान के नोश्की में पाक सेना का एक्शन, पूरा शहर छावनी में तब्दील, रास्ते सील

नोश्की (जीएनएस)। बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की एक रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान के नोश्की जिले में नागरिकों की आवाजाही पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं। रिपोर्टों से पता चलता है कि शहर में सुरक्षा घेरा बना दिया गया है, अधिकारियों ने आवाजाही प्रतिबंधित कर दी है और स्थानीय बाजारों को बंद कर दिया है। रविवार को भारी चौकियों के साथ प्रवेश और निकास मार्गों को कथित तौर पर सील कर दिया गया था, जिससे निवासियों का आना-जाना बाधित हो गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि नोश्की बाजार, काजियाबाद, ग्रिड स्टेशन और गरीबबाद जैसे प्रमुख स्थानों पर सुबह-सुबह बड़ी संख्या में सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था, जहां नागरिकों की आवाजाही पर भारी प्रतिबंध लगा दिया गया था।
टीबीपी की रिपोर्ट के अनुसार, एक निवासी ने बताया कि सुरक्षा बलों की भारी मौजूदगी ने शहर को पूरी तरह से घेराबंदी जैसी स्थिति में बदल दिया है। यह घटनाक्रम एक दिन पहले किल्ली कादिरबाद में हुए एक अभियान के बाद सामने आया है, जहां पाकिस्तानी सेना ने कथित तौर पर कई घंटों तक इलाके की घेराबंदी की थी। निवासियों ने अभियान के दौरान गोलीबारी की आवाजें सुनने की सूचना दी, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

मरेंगे भी और...क्यूबा के राष्ट्रपति की अमेरिका को सख्त चेतावनी

क्यूबा (जीएनएस)। क्यूबा के राष्ट्रपति मिगुएल डियाज़-कैनेल ने कहा कि अमेरिका के पास द्वीप पर सैन्य हमला करने या उन्हें पद से हटाने का प्रयास करने का कोई वैध कारण नहीं है। एनबीसी न्यूज़ के मीट द प्रेस कार्यक्रम में एक साक्षात्कार में बोलते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि क्यूबा पर आक्रमण महंगा साबित होगा और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित करेगा। लेकिन अगर ऐसा होता है,डियाज़-कैनेल ने कहा कि क्यूबावासी अपनी रक्षा स्वयं करेंगे। डियाज कैनेल ने एक अनुवादक के माध्यम से बोलते हुए कहा कि अगर ऐसा समय आता है, तो मुझे नहीं लगता कि अमेरिका के लिए क्यूबा के खिलाफ सैन्य आक्रमण शुरू करने या किसी राष्ट्रपति का अपहरण करने या उस पर सर्जिकल ऑपरेशन करने का कोई औचित्य होगा।

शांति के बीच पाकिस्तान का खेल, सऊदी में 13000 सैनिक भेजकर मचा दिया बवाल

इस्लामाबाद (जीएनएस)। पूरी दुनिया इस वक्त शांति की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रही है। लेकिन पाकिस्तान है कि हर मौके पर अपनी बेइज्जती करवाने का कोई रास्ता निकाल ही लेता है। एक तरफ मध्य पूर्व में तनाव कम हो रहा था। सीज फायर लागू हो चुका था। ईरान ने भी अपने हमले रोक दिए थे। लेकिन तभी पाकिस्तान ने फिर वही पुराना खेल खेल दिया। जिस वक्त दुनिया शांति की तरफ बढ़ रही थी। उस वक्त पाकिस्तान ने अपने फाइटर चैट्स और करीब 13,000 सैनिक सऊदी अरब में भेज दिए। दरअसल 2025 में पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच एक रक्षा समझौता हुआ था। जिसके मुताबिक अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो उसे दोनों देशों पर हमला माना जाएगा।

एसआईआर प्रक्रिया में हटाए गए बंगाल के मतदाताओं को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका, अंतरिम वोटिंग अधिकार देने से किया इनकार

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मतदाता सूची की सफाई प्रक्रिया के दौरान जिन व्यक्तियों के नाम हटा दिए गए थे, उन्हें अंतरिम मतदान अधिकार देने से इनकार कर दिया है। यह निर्णय उन लोगों पर लागू होता है जिनकी अपीलें अभी भी अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। सुनवाई के दौरान, तृणमूल कांग्रेस के नेता कल्याण बनर्जी ने अदालत को बताया कि लगभग 16 लाख अपीलें दायर की गई हैं और उन्होंने अनुरोध किया कि इन व्यक्तियों को आगामी दो चरणों के चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जाए।
हालांकि, अदालत इस तर्क से सहमत नहीं हुई। याचिका पर प्रतिक्रिया देते हुए, भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने अदालत का रुख स्पष्ट करते हुए कहा कि ऐसी अनुमति देना बिल्कुल असंभव है।

चुनावी रंग में अंधे नहीं हो सकते, पश्चिम बंगाल मतदाता सूची मामले पर सुप्रीम कोर्टकी सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चिंता जताई और कहा कि मतदाताओं को मतदाता सूचियों में बने रहने का निरंतर अधिकार है और चुनाव कराने के दबाव में इस प्रक्रिया को विकृत नहीं किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ मतदाताओं द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिनकी मतदाता सूचियों से नाम हटाए जाने के खिलाफ अपीलें अपीलीय न्यायाधिकरणों में लंबित हैं। याचिकाकर्ताओं ने मतदाता सूचियों को फ्रीज करने की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है और तर्क दिया है कि यदि उनकी अपीलें सफल होती हैं तो उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में मतदान करने की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के अनुसार, मतदाता सूची को 9 अप्रैल से फ्रीज कर दिया गया है।
पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि इन मतदाताओं के अधिकार स्थायी रूप से नहीं छिनेंगे, लेकिन क्या वे इस चुनाव में मतदान कर सकेंगे, यह अभी भी विचाराधीन है। इस बीच, अदालत मालदा घटना से संबंधित एनआईए की जांच के मामले की भी सुनवाई करेगी, जहां एसआईआर न्यायनिर्णय में लगे न्यायाधीशों को घेरा गया था और धमकाया गया था। अदालत के सूत्रों के अनुसार, कल पूर्व न्यायाधीशों ने कोलकाता के जोका स्थित श्यामा प्रसाद मुखर्जी संस्थान का दौरा किया, जहां न्यायाधिकरण की बैठक होगी। 19 बेंचों में से अधिकांश आज से अपना काम शुरू कर रही हैं।

हम रख लेंगे ईरान का यूरेनियम, पुतिन ने फेंका ऐसा पासा, अमेरिका नहीं काट पाएगा कन्नी

मास्को (जीएनएस)। रूस ने घोषणा की है कि वह अमेरिका के साथ किसी भी भावी शांति समझौते के हिस्से के रूप में ईरान के समृद्ध यूरेनियम को स्वीकार करने के लिए तैयार है। यह बयान पाकिस्तान में सप्ताहांत में हुए अमेरिका-ईरान वार्ता के एक और दौर के विफल होने के तुरंत बाद आया है, जिससे फरवरी के अंत से चल रहे इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए त्वरित समाधान की उम्मीदें धूमिल हो गई, जिसमें हजारों लोगों की जान जा चुकी है और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने पत्रकारों को बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यह प्रस्ताव सीधे वाशिंगटन और क्षेत्रीय राजधानियों को भेजा है। उन्होंने कहा कि प्रस्ताव अभी भी विचाराधीन है, लेकिन इस पर अमल नहीं किया गया है। दुनिया के सबसे बड़े परमाणु शस्त्रागार वाले रूस ने दीर्घकालिक समाधान के समर्थन में ईरान के समृद्ध यूरेनियम को स्वीकार करने की इच्छा लगातार व्यक्त की है।

नोएडा में कर्मचारियों ने काटा बवाल, हड़ताली मज़दूरों ने गाड़ियां फूंकी, डीएनडी फ्लाईवे पर भारी जाम

नोयडा (जीएनएस)। दिल्ली से सटे औद्योगिक हब नोएडा में सोमवार को हालात उस समय बेकाबू हो गए, जब वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर चल रहा मज़दूरों का आंदोलन हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया। तीन दिनों से जारी विरोध प्रदर्शन ने सोमवार को आगजनी और तोड़फोड़ का रूप ले लिया, जिससे पूरे शहर की रफ्तार थम गई। अशांति का मुख्य केंद्र फेज़ 2 इलाका रहा, विशेषकर सेक्टर 1 और 84। प्रदर्शनकारी मज़दूरों ने उग्र होते हुए कम से कम दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया।

प्रदेश में अशांति फैलाने की हो रही साजिश : योगी

लखनऊ (जीएनएस)। एनसीआर में श्रमिकों के बढ़ते असंतोष की लहर नोएडा में हिंसा में तब्दील हो गई, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शांति बनाए रखने की अपील की और श्रमिकों को आश्वासन दिया कि सरकार उनके साथ खड़ी है। मुजफ्फरनगर में एक रैली को संबोधित करते हुए योगी ने बढ़ते तनाव के बीच श्रमिकों से सीधे अपील करते हुए दृढ़ रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बनी दोहरी इंजन सरकार सुरक्षा, सुशासन और सेवा का एक आदर्श मॉडल बना रही है।

डोनाल्ड ट्रम्प के तीखे हमले पर पोप लियो का पलटवार, बोले- युद्ध के खिलाफ आवाज उठाता रहूंगा

वैटिकन सिटी (जीएनएस)। पोप लियो XIV ने सोमवार को कहा कि वे पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के खिलाफ बोलना जारी रखेंगे। यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा कैथोलिक चर्च के नेता पर किए गए एक दुर्लभ प्रत्यक्ष हमले के बाद आया है, जिसमें ट्रम्प ने उन्हें कमजोर और विदेश नीति के लिए खतरनाक बताया था। अल्जीरिया जा रही पोप की उड़ान के दौरान रॉयटर्स से बात करते हुए, पहले अमेरिकी पोप ने कहा कि ईसाई संदेश का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैं उनसे (ट्रम्प से) बहस में नहीं पड़ना चाहता। मुझे नहीं लगता कि सुसमाचार के संदेश का उस तरह से दुरुपयोग किया जाना चाहिए जिस तरह से कुछ लोग कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं युद्ध के खिलाफ खुलकर आवाज उठाता रहूंगा, शांति को बढ़ावा देने, संवाद को प्रोत्साहित करने और समस्याओं के न्यायसंगत समाधान खोजने के लिए राज्यों के बीच बहुपक्षीय संबंधों को बढ़ावा देने का प्रयास करूंगा। आज दुनिया में बहुत से लोग पीड़ित हैं। मुझे लगता है कि किसी को तो आगे आकर यह कहना होगा कि इससे बेहतर रास्ता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जंग की उलटी गिनती शुरू, अमेरिका की नाकेबंदी पर ईरान ने दे डाली दुनिया को खतरनाक चेतावनी

ईरान (जीएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव अब खुली समुद्री जंग के मुहाने पर खडा है। अमेरिका ने आज से ईरानी बंदरगाहों पर समुद्री नाकेबंदी लागू करने का ऐलान कर दिया है और इस फैसले ने पूरी दुनिया की सांसें अटका दी हैं। यह ऐसा दांव है जो वैश्विक व्यापार, तेल आपूर्ति और सामरिक संतुलन को हिला सकता है।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर यह नाकेबंदी लागू की जा रही है। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने साफ कहा है कि ईरान के बंदरगाहों में आने जाने वाले हर जहाज को रोका जाएगा, चाहे वह किसी भी देश का हो। यानी अब समुद्र में कोई भी जहाज ईरान के करीब गया तो उसे अमेरिकी ताकत का सामना करना होगा। हालांकि अमेरिका ने यह भी दावा किया है कि जो जहाज ईरान से जुड़े नहीं हैं और केवल होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजर रहे हैं, उन्हें रोका नहीं जाएगा। लेकिन सवाल यही है कि युद्ध के माहौल में ऐसी बातों पर कितना भरोसा किया जा सकता है?
देखा जाये तो इस फैसले की जड़ में वह कूटनीतिक विफलता है जो पाकिस्तान में हुई बातचीत के दौरान सामने आई। दोनों देशों के बीच समझौते की उम्मीदें लगभग बन चुकी थीं, लेकिन आखिरी वक्त में बातचीत टूट गई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने अपनी शर्तें बार बार बदलीं और अधिकतम दबाव की नीति अपनाई। दूसरी तरफ ट्रंप ने साफ कह दिया कि उन्हें किसी समझौते की परवाह नहीं है और वह सैन्य दबाव बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

दिल्ली विधानसभा को 15 आरडीएक्स बमों से उड़ाने की धमकी, बस हमले की धमकी ईमेल से मचा हड़कंप

नई दिल्ली (जीएनएस)। दिल्ली विधानसभा में सुरक्षा चूक की घटना के बाद चिंताएं बढ़ने के कुछ दिनों बाद, सोमवार को दो बम हमले की धमकी भरे ईमेल प्राप्त हुए, जिनमें 15 साइनाइड गैस से भरे आरडीएक्स बम का इस्तेमाल करने की चेतावनी दी गई थी। संदेशों में आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनावों का भी जिक्र था। ये ईमेल विधानसभा सचिवालय की आधिकारिक आईडी और अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भेजे गए थे। हिंदी में लिखे गए दोनों ईमेलों में एक ही तरह की सामग्री थी। विषय में लिखा था कि तीन घंटे के भीतर, हम आपकी दिल्ली विधानसभा में 15 साइनाइड गैस से भरे आरडीएक्स बमों से विस्फोट करेंगे। परिसर से केवल मुस्लिम कर्मचारियों को ही बाहर निकाला जाए। धमकी में तमिलनाडु के राजनीतिक घटनाक्रमों का भी जिक्र था। इसमें कहा गया था कि कर्मचारियों, डीएमके में कोई ब्राह्मण सदस्य नहीं होना चाहिए। अगर वे पार्टी में शामिल होते हैं, तो उन्हें नग्न अवस्था में 'पेरियार-अंबेडकर जिंदाबाद' का नारा लगाना चाहिए।

जब भी संसार संकट में घिरा, भारत ने ही हमेशा रास्ता दिखाया है : मोहन भागवत

नागपुर (जीएनएस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने सोमवार को कहा कि भारत की आध्यात्मिक विरासत और संतों की शिक्षाओं ने ऐतिहासिक रूप से देश को वैश्विक उथल-पुथल का सामना करने और संकट के समय मार्गदर्शन प्रदान करने में सक्षम बनाया है। उन्होंने देश की इस लचीलेपन का श्रेय उसकी आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता को दिया। भागवत ने यह टिप्पणी महाराष्ट्र के नागपुर के तुलसी नगर इलाके में श्री मज्जिनेंद्र पंचकल्याणेश्वर प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत सात दिवसीय अनुष्ठान समारोह में की। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी दुनिया संकटों में घिरी होती है, हमारा राष्ट्र ही वह शक्ति बनकर उभरता है जो उसे उस संकट से बाहर निकालता है। मानव अस्तित्व का सच्चा परिप्रेक्ष्य हमारे इसी आध्यात्मिक ज्ञान में निहित है। जब भौतिकवाद, संकीर्णतावाद और उपभोक्तावाद के तूफान बाहरी दुनिया से आते हैं, जो अक्सर अन्य समाजों को तबाह कर देते हैं, तो वे लहरें हमारे ऊपर से गुजर जाती हैं; हम अडिग और अपरिवर्तित खड़े रहते हैं। इस लचीलेपन का कारण इसी आध्यात्मिक ज्ञान में निहित है। यह हमारे संतों के प्रति कृतज्ञता का ऋणी है। इसलिए, यहाँ श्रद्धा अर्पित करना और इन संतों की शिक्षाओं को अपने दैनिक जीवन में आत्मसात करने का प्रयास करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने यह भी कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम जैसी ऐतिहासिक सभ्यताएँ लुप्त हो गई हैं, लेकिन भारत में एक ऐसा विशेष गुण है जो इसके निरंतर अस्तित्व को सुनिश्चित करता है। उन्होंने कहा कि ग्रीस, मिस्र और रोम, सभी पृथ्वी से लुप्त हो गए हैं; निश्चित रूप से हममें कुछ ऐसा विशेष है जो यह सुनिश्चित करता है कि हमारा अस्तित्व कभी मिट न सके। भागवत ने इस बात पर जोर दिया कि संतों और ऋषियों से निरंतर प्राप्त होने वाला आध्यात्मिक ज्ञान भारत का एक अनूठा और स्थायी सार है। उन्होंने कहा कि यह स्थायी सार वह ज्ञान है, वह आध्यात्मिक ज्ञान जो हमें अपने संतों और ऋषियों से निरंतर प्राप्त होता है।

सुप्रीम कोर्ट से लालू यादव को बड़ा झटका, जमीन के बदले नौकरी घोटाले में एफआईआर रद्द करने से इनकार

नई दिल्ली (जीएनएस)। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने कथित जमीन के बदले नौकरी घोटाले में आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के खिलाफ सीबीआई की एफआईआर और चार्जशीट रद्द करने से इनकार कर दिया, जिससे बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री को कानूनी झटका लगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में यादव और उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर और संबंधित कार्यवाही रद्द करने की उनकी याचिका खारिज कर दी। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें कार्यवाही के दौरान निचली अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश होने से छूट दे दी।
न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने हालांकि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री यादव (77) को सुनवाई के दौरान निचली अदालत में पेश होने से छूट दे दी।

ईरानी राष्ट्रपति पेज़ेश्कियन का अमेरिका को दो टूक

तानाशाही छोड़ो, तभी होगी बातचीत और डील

ईरान (जीएनएस)। इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता विफल होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा कि किसी भी समझौते के लिए वाशिंगटन को अपना तानाशाही रवैया छोड़ना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि अमेरिका ईरान के अधिकारों का सम्मान करे और निष्पक्ष रुख अपनाए तो समझौता संभव है। पेज़ेश्कियन ने ईरान के रुख का प्रभावी ढंग से बचाव करने के लिए ईरानी वार्ता टीम की सराहना भी की। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा कि यदि अमेरिकी सरकार अपनी तानाशाही छोड़ दे और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों का सम्मान करे, तो समझौते तक पहुँचने के रास्ते ज़रूर मिल जाएँगे। मैं वार्ता टीम के सदस्यों, विशेष रूप से अपने प्रिय भाई डॉ. क़लीबाफ़ की प्रशंसा करता हूँ और ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि वह आपको शक्ति प्रदान करें। पाकिस्तान में तीन दौर की गहन युद्धविराम वार्ता के बाद, अमेरिका ने रविवार को कहा कि तेहरान ने वाशिंगटन के प्रस्ताव को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने वार्ता को काफी हद तक सकारात्मक बताया और कहा कि दोनों पक्षों ने रचनात्मक बातचीत की। हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण मतभेद अभी भी अनसुलझे हैं। उन्होंने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि हम पिछले 21 घंटों से बातचीत कर रहे हैं और हमने ईरानियों के साथ कई महत्वपूर्ण चर्चाएँ की हैं। यह अच्छी खबर है। बुरी खबर यह है कि हम किसी समझौते पर नहीं पहुँच पाए हैं। मुझे लगता है कि यह अमेरिका के लिए बुरी खबर से कहीं ज्यादा ईरान के लिए बुरी खबर है। उन्होंने हमारी शर्तों को स्वीकार न करने का फैसला किया है। इन महत्वपूर्ण वार्ताओं के दौरान, संयुक्त राज्य अमेरिका ने ईरान से यह स्पष्ट और बाध्यकारी आश्वासन देने को कहा कि वह परमाणु हथियार विकसित नहीं करेगा, जो एक समझौते पर पहुंचने में विवाद का एक प्रमुख कारण साबित हुआ। सीधी सी बात यह है कि हमें ईरान से यह ठोस प्रतिबद्धता देखने की जरूरत है कि वे परमाणु हथियार नहीं बनाएंगे और न ही ऐसे उपकरण हासिल करेंगे जिनसे वे जल्दी से परमाणु हथियार बना सकें। यही अमेरिकी राष्ट्रपति का मूल लक्ष्य है। इन वार्ताओं के माध्यम से हमने यही हासिल करने की कोशिश की है। उनका मौजूदा परमाणु कार्यक्रम और पहले से मौजूद संवर्धन संयंत्र नष्ट कर दिए गए हैं। लेकिन सीधा सा सवाल यह है कि क्या हमें ईरानियों की ओर से परमाणु हथियार विकसित न करने की कोई ठोस प्रतिबद्धता दिखाई देती है, न सिर्फ अभी के लिए, न सिर्फ दो साल बाद के लिए, बल्कि दीर्घकालिक रूप से? अभी तक हमें ऐसा कुछ नहीं दिखा है, लेकिन हमें उम्मीद है कि हम देखेंगे।

गुजरात के सुरेंद्रनगर में भीषण सड़क हादसा : ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचला, 7 की मौत

सुरेंद्रनगर (जीएनएस)। गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। रविवार देर रात लखतर-विरामगाम राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने पैदल जा रहे तीर्थयात्रियों के समूह को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण दुर्घटना में सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल बताए जा रहे हैं।लखतर के पुलिस निरीक्षक योगेश पटेल ने बताया कि यह घटना लखतर-विरामगाम राजमार्ग पर देर रात करीब 1.30 बजे उस समय घटी, जब तीर्थयात्रियों का एक समूह राजकोट से बहुचराजी मंदिर में दर्शन करने के लिए पैदल जा रहा था। उन्होंने बताया कि जिले के लखतर तालुका के भास्करपारा गांव के बाहरी इलाके में एक तेज रफ्तार ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया। उन्होंने बताया कि छह तीर्थयात्री और सड़क किनारे खड़े एक डंपर चालक की मौत हो गई। मृतकों में चार महिलाएं शामिल हैं। अधिकारी ने बताया कि घायलों की संख्या अभी स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा, यह हादसा उस समय हुआ जब तीर्थयात्री पैदल जा रहे थे। वे बहुचराजी के एक मंदिर में पूजा करने के लिए निकले थे, तभी पीछे से तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। अधिकारी ने बताया कि ट्रक चालक मौके से फरार हो गया और उसे पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

नाव हादसा : अब तक यमुना नदी से खोजे गये 15 शव, अभियान जारी

जनता यूनियन मथुरा । यमुना में हुए नाव हादसे के बाद बचाव दल ने 15 शव अब तक नदी से निकाले हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमों का सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। 10 शव घटना वाले दिन ही बरामद कर लिये गये थे। रविवार तक मृतक संख्या 13 पहुंच गई थी। सोमवार को बचाव दल ने नदी से दो और शव बरामद किये हैं। हादसे में मरने वालों का आंकड़ा इसी के साथ 15 हो गया है। अभी भी बचाव और राहत कार्य जारी है। घायलों को उपचार दिया जा रहा है। दो शव सोमवार सुबह मिले। एक युवक का शव देवराहा बाबा घाट पर तो वहीं महिला का शव बंगाली घाट के समीप मिला है। नाव हादसे में अब कुल मृतकों की संख्या 15 हो गई है। वृंदावन में शुक्रवार दोपहर को हुए दर्दनाक मोटर बोट हादसे में लापता श्रद्धालुओं की तलाश जारी है। हादसे के बाद श्रद्धालुओं के घरों में मातम पसरा है। मथुरा से लेकर पंजाब तक लापता श्रद्धालुओं के फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। हादसे का शिकार हुए अधिकांश श्रद्धालु पंजाब के लुधियाना और जगरांव के रहने वाले थे। पंजाब और मथुरा के सोशल मीडिया ग्रुपों पर इन श्रद्धालुओं की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें लोग उनके सुरक्षित होने की दुआएं मांग रहे हैं। अपनों की तलाश में परिजन पंजाब से वृंदावन पहुंच चुके हैं, जिनका रो-रोकर बुरा हाल है। प्रशासन और स्थानीय पुलिस के साथ-साथ एनडीआरएफ व एसडीआरएफ की टीमें भी लापता श्रद्धालुओं की तलाश में जुटी हुई हैं। यमुना के तेज बहाव और गहरे घाटों के कारण बचाव कार्य में काफी मुश्किलें आ रही हैं।

20 किलोमीटर की धारा को सात सेक्टर में बांटा गया है

केसी घाट से लेकर गोकुल बैराज तक यमुना को सात सेक्टरों में बांटा गया है। 20 किलोमीटर के दायरे में यमुना में अब डूबे हुए लोगों की तलाश की जाएगी। डीआईजी आगरा रेंज के आदेश पर यमुना के सात सेक्टरों में सात थानेदार नजर रखेंगे। सोमवार सुबह पांच बजे से यमुना में एक बार फिर से पांच लोगों की तलाश गई। इस दौरान दो लाशें और मिल गईं।

जनपद मथुरा में 10 अप्रैल 2026 को वृंदावन केसी घाट के निकट यमुना नदी में एक दुखद: नाव पलटने का हादसा हुआ था। जिसमें सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के इमरजेंसी रेस्पॉस सिस्टम द्वारा लोगों को रेस्क्यू किया गया था। 10 शव उसी दिन प्राप्त हुए थे। 18 लोगों को सुरक्षित निकाल किया गया था। उसके बाद से छह लोग लापता थे, जिनमें से तीन शव रविवार तक प्राप्त हो चुके थे। आज सुबह एक महिला का शव बंगाली घाट से प्राप्त हुआ है और एक पुरुष का शव देवरा बाबा आश्रम की तरफ प्राप्त हुआ है। लगातार एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और प्राईवेट गोताखोर सभी को सात सेक्टरों में बांट के सर्च ऑपरेशन चल रहा था। अभी जो शव बरामद किए गए हैं, इनको पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है। एक लोग अभी भी मिसिंग है। उनके संबंध में ड्रोन और एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के द्वारा अभी हम लोग सर्च कर रहे हैं।

-सुरेशचंद रावत, एसपी देहात

नशे के विरुद्ध वृंदावन पुलिस का बड़ा प्रहार- स्मैक के साथ अलीगढ़ का तस्कर गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । जनपद में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत वृंदावन पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक शातिर नशा तस्कर को भारी मात्रा में स्मैक के साथ दबोच लिया है। जानकारी के अनुसार, वृंदावन की अददा चौकी पुलिस क्षेत्र में संदिग्धों की तलाश में गश्त पर थी। इसी दौरान सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को रोका। जामा तलाशी लेने पर उसके पास से 15.54 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

पकड़े गए आरोपी की पहचान हरेन्द्र पुत्र भीकम निवासी ग्राम रजाबल थाना गोंडा जनपद अलीगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में सामने आया है कि वह क्षेत्र में स्मैक की तस्करी और बिक्री करने के उद्देश्य से सक्रिय था। वृंदावन पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध नशा बिक्री की उचित धाराएं लगाकर वैधानिक कार्यवाही की है। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद पुलिस ने आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि तीर्थनगरी को नशा मुक्त बनाने के लिए अपराधियों के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

प्रख्यात भागवत प्रवक्ता मृदुल कांत शास्त्री की तबीयत बिगड़ी

जनता यूनियन मथुरा । विश्व प्रसिद्ध कथावाचक और भागवत शिरोमणि आचार्य मृदुल कांत शास्त्री के स्वास्थ्य को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। सोमवार को अचानक तबीयत बिगड़ने के कारण उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, अचानक स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें पहले स्थानीय आरोग्यदीप अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहां प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर चिकित्सा और निरंतर निगरानी के लिए उन्हें तत्काल जिला अस्पताल रैफर कर दिया है।

जैसे ही मृदुल कांत शास्त्री जी के अस्वस्थ होने की सूचना सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से भक्तों तक पहुँची, मथुरा-वृंदावन सहित देशभर में उनके अनुयायियों के बीच चिंता की लहर दौड़ गई। शास्त्री जी के अनुयायी और शिष्य उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और दीर्घायु होने के लिए मंदिरों में प्रार्थना और दुआएं कर रहे हैं। फिलहाल जिला अस्पताल में विशेषज्ञों की टीम उनके स्वास्थ्य की जांच और उपचार में जुटी हुई है।

न्यूज ब्रीफ

फार्मर रजिस्ट्री से पकड़ में आ रहे फर्जी किसान

जनता यूनियन मथुरा । फार्मर रजिस्ट्री के लिए 6 से 15 अप्रैल तक ग्राम सचिवालयों में शिविर लगाकर किसानों का पंजीकरण किया जा रहा है। शिविरों में शेष किसानों का पंजीकरण किया जाएगा। इसके लिए ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव एवं लेखपालों की सक्रिय भागीदारी के निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान ऐसे किसानों का भी पर्दाफास हो रहा है जो फर्जी तरीके से किसान सम्मान निधि लेते रहे हैं। मार्च तक किसानों को आर्थिक रूप से सुदृढ़ करने के लिए चलाई जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में 75,735 फर्जी लाभार्थियों का पता चला था। फार्मर रजिस्ट्री बनाने के अभियान में किसानों की कृषि भूमि की जांच पड़ताल हुई तो सच्चाई सामने आई। इस आंकडे तक इन फर्जी लाभार्थियों के खातों में औसतन आठ किस्तों की करीब 61 करोड़ रुपये की रकम गई हैं। अब कृषि विभाग इन अपात्र किसानों को रिकवरी नोटिस जारी करने जा रहा है। उप कृषि निदेशक वसंत कुमार दुबे के मुताबिक जिन अपात्रों को किसान सम्मान निधि में चिन्हित किया गया है, उन पर रिकवरी जारी की जाएगी। इसके लिए नोटिस तैयार हो रहे हैं। साथ ही इनका नाम पात्रता सूची से स्थाई रूप से हटाया जाएगा। जिले में 3,10,857 किसान प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में पंजीकृत हैं, जिनको अब तक विधिवत योजना का लाभ दिया जा रहा था।

कराए गये कार्यों का सोशल ऑडिट

जनता यूनियन मथुरा । जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे ने अवगत कराया है कि निदेशक, सोशल ऑडिट, उ0प्र0 लखनऊ के द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में सोशल ऑडिट संगठन के अन्तर्गत जनपद में ग्राम पंचायतों में निर्दिष्ट योजनाओं यथा मनरेगा तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण तथा अन्य विभागों के अर्न्तगत कराए गये कार्यों का सोशल ऑडिट करने हेतु ब्लाक स्तर पर 04 सदस्यीय सोशल ऑडिट टीमों के पैनल तैयार करने हेतु वित्तीय वर्ष 2026-27 व 2027-28 हेतु तैयार किए जाने की आवश्यकता के क्रम में प्राप्त आवेदन पत्रों पर साक्षात्कार / विचार करने हेतु अभ्यर्थी आमंत्रित किए जाते हैं। 15 को प्रातः 10 बजे विकास खंड मांट और नौहझील, 16 को प्रातः 10 बजे विकास खंड बलदेव और नंदगांव, 17 को प्रातः 10 बजे विकास खंड गोवर्धन और चौमुंहा, 24 को प्रातः 10 बजे विकास खंड फरह और छाता तथा 25 को प्रातः 10 बजे विकास खंड राया और मथुरा में प्राप्त आवेदन पत्रों पर साक्षात्कार / विचार करने हेतु अभ्यर्थी आमंत्रित किए जाते हैं। समस्त आवेदक अपने-अपने मूल अभिलेखों सहित निम्नलिखित तिथि, समय एवं स्थान पर उपस्थित होना सुनिश्चित करे।

पत्नी पर तमंचे से फायर करने वाला पति गिरफ्तार

जनता यूनियन मथुरा । थाना जमुनापार पुलिस द्वारा अपनी पत्नी पर जान से मारने की नीयत से तमंचे से फायर करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त की निशानदेही घटना में प्रयुक्त तमंचा पुलिस ने बरामद किया है। थाना जमुनापार पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान थाना जमुनापार पर पंजीकृत में अभियोग में वांछित अभियुक्त संदीप पुत्र बनवारीलाल निवासी कुआं वाली गली, लक्ष्मीनगर बगीची थाना जमुनापार मथुरा को कुआं वाली गली, लक्ष्मीनगर बगीचा से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त से पूछताछ कर उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद किया गया। थाना जमुनापार पर अपने साथ उसके पति संदीप पुत्र पूरन निवासी माता वाली गली थाना जमुनापार जिला मथुरा द्वारा अपने हाथ में लिए तमंचे से जान से मारने की नियत से फायर करना व वादिया द्वारा इसके हाथ को ऊपर करने से गोली लगने से बच जाना व जान से मारने की धमकी देने के संबन्ध में प्रार्थना पत्र दिया गया था। जिसके आधार पर थाना जमुनापार पर अभियोग पंजीकृत किया गया था।

स्मार्ट मीटर को लेकर लक्ष्मीनगर बिजलीघर पर महिलाओं का हांगामा

जनता यूनियन मथुरा । थाना जमुनापार क्षेत्र के अंतर्गत लक्ष्मी नगर बिजली घर पर सोमवार सुबह उस समय हंगामे की स्थिति बन गई, जब बड़ी संख्या में महिलाएं डंडा लेकर मौके पर पहुंच गईं और बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगीं। बताया जा रहा है कि यह पूरा मामला स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिलों को लेकर है, जिससे स्थानीय लोग खासे परेशान हैं। महिलाओं का आरोप है कि हाल ही में उनके घरों में लगाए गए स्मार्ट मीटर के कारण बिजली के बिल अचानक कई गुना बढ़ गए हैं। जहां पहले बिल सामान्य आता था, वहीं अब एक महीने का बिल 5 से 7 हजार रुपये तक पहुंच रहा है। महिलाओं ने बताया कि मीटर लगाते समय विभाग की ओर से न्यूनतम बिल आने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है।

अब मिठाई की दुकान चलाने को जरूरी नहीं हलवाई

जनता यूनियन मथुरा । मिठाई की दुकान चलाने के लिए अब हलवाई की जरूरत नहीं है। अभी तक ब्रज में अधिकाशंतः मिठाई की दुकानों को चालाने के लिए हलवाई से लेकर दूसरे तमाम तामझाम जोडने पडते थे। दुकानदार शुद्धता की गारंटी देता था। मिलावट नहीं यह भी दावा करता था। अब हर शहर और कस्बे में फैक्ट्रीनुमा मिठाई बनाने के कारखाने खुल गये हैं। एक जगह भारी मात्रा में मिठाई बनती है और सैकडों दुकानदार अपना टेग लगाकर मिठाई को बेच रहे हैं। मथुरा में एक ऐसे ही कारखाने का भंडाफोड खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने किया है। धीरेन्द्र प्रताप सिंह सहायक आयुक्त (खाद्य) द्वितीय के निर्देशन व ज्ञानपाल सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी के नेतृत्व में आम जनमानस एवं आने वाले श्रृद्धालुओं को स्वच्छ व गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेन्द्र सिंह द्वारा अभिसूचना के आधार के पर डा. बीसी गोयल हॉस्पीटल के पीछे, निकट बिरला मंदिर, जयसिंहपुरा, जनपद मथुरा में दिनेश गर्ग पुत्र स्व. ओमप्रकाश गर्ग निवासी रामानुज नगर, गुरूकुल के पीछे, राजपुर बांगर, वृन्दावन, जनपद मथुरा द्वारा अवैध रूप से संचालित मिठाई निर्माणशाला पर छापामार कार्यवाही की गयी।

अम्बेडकर जयंती आज, निकलेगी शोभायात्रा

डॉ. अम्बेडकर भवन अम्बेडकर चौक डीग गेट पर आयोजित होगा पुष्पांजलि कार्यक्रम

जनता यूनियन मथुरा । बाबा साहब डॉ.बीआर अंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति की बैठक डॉ. अम्बेडकर भवन अम्बेडकर चौक डीग गेट पर पर वर्तमान अध्यक्ष सूरजपाल सिंह दरोगा की अध्यक्षता में हुई। जिसमें भारत के संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. बीआर अम्बेडकर के 135वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मथुरा शहर में भव्य पुष्पांजलि 14 अप्रैल को प्रात आठ बजे डॉ. अम्बेडकर भवन अम्बेडकर चौक डीग गेट पर और शोभायात्रा दोपहर 3 बजे शहर के विभिन्न मार्गों से होकर धूमधाम से निकाली जाएगी। शोभायात्रा दोपहर 3 बजे से संत रविदास आश्रम मसानी रोड मथुरा से प्रारंभ होकर डीग गेट, भरतपुर गेट, होली गेट, छत्ता बाजार,चौक बाजार,मंडी रामदास, अर्जुनपुरा होते हुए पुनः संत रविदास आश्रम, मसानी पर समापन होगी। शोभायात्रा में झांकियां, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समिति के पदाधिकारियों ने समाज के सभी वर्गों से अपील है कि अधिक से अधिक संख्या में परिवार सहित उपस्थित होकर इस ऐतिहासिक शोभा यात्रा आयोजन को सफल बनाएं।

श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस

जनता यूनियन मथुरा । श्री कृष्ण के अनन्य उपासक श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस प्राचीन मंदिर ठाकुर श्री केशव देव जी महाराज में सर्वोदयी ब्राह्मण विकास संस्थान की तत्वाधान में श्री मुकट मणि शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुआ सर्वप्रथम आज भगवान केशव देव जी का बरूथनी एकादशी पर्व पर सेवायत द्वारा पंचामृत अभिषेक किया गया पोशाक धारण कराई गई भव्य आरती का आयोजन हुआ तत्पश्चात भगवान श्री कृष्ण के अनन्य उपासक श्री महाप्रभु वल्लभाचार्य का प्रादुर्भाव दिवस मंगलाचरण के बीच मनाया गया उनकी छवि पर संस्थान अध्यक्ष पंडित सोहनलाल शर्मा सचिव नारायण प्रसाद शर्मा बिहारी लाल गोस्वामी विवेक उपाध्याय द्वारा फूल माला अंग वस्त्र पहनकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।

इस अवसर पर महाप्रभु वल्लभाचार्य जी के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला गया उनको भक्ति काल के एक महान दार्शनिक संत और पुष्टिमार्ग के प्रणेता बताया नारायण प्रसाद शर्मा द्वारा उन्होंने सुधा डेट वेदांत का प्रतिपादन किया पैसा कृष्ण एकादशी को तेलंगाना परिवार में उनका जन्म हुआ वल्लभाचार्य जी भगवान श्री कृष्ण के अनन्य उपासक श्यामा चरण गोस्वामी द्वारा उनको श्रीनाथजी की सेवा में पुष्टिमार्ग प्रशस्त किए जाने वाला बताया अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार प्रकट किये, इस अवसर पर प्रमुख रूप से डॉक्टर जमुना शर्मा उमा शर्मा पी पी शर्मा, कन्हैया लाल शर्मा, शशि शर्मा बसंती देवी कृष्ण गोपाल शर्मा गणेश शर्मा दिलीप पांडे राकेश गौड़ आदि उपस्थित रहे।

आइजेयू के राष्ट्रीय सचिव निर्वाचित होने पर पत्रकार नरेन्द्र भारद्वाज का सदर बाजार के क्षेत्रीय नागरिकों ने किया स्वागत

जनता यूनियन मथुरा । इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन (आइजेयू) के राष्ट्रीय सचिव निर्वाचित होने पर उत्तर प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के जिलाध्यक्ष नरेन्द्र भारद्वाज का सदर बाजार के क्षेत्रीय नागरिकों ने भव्य अभिनंदन किया।

सदर बाजार स्थित श्री जी बाबा ब्राह्मण भवन में समस्त मित्र मंडल सदर बाजार के तत्वावधान में आयोजित भव्य सम्मान समारोह में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय सचिव सचिव नरेन्द्र भारद्वाज को क्षेत्रीय नागरिकों ने 11 किलो फूलों के हार, प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह व साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया

विशिष्ट अतिथि आरएसएस के वरिष्ठ स्वंयसेवक विनय शर्मा ने कहा कि नरेन्द्र भारद्वाज का इंडियन जर्नलिस्ट यूनियन (आईजेयू) का राष्ट्रीय सचिव बनना मथुरा व प्रदेश के पत्रकारों के लिए गर्व की बात है। पार्षद सुभाष यादव ने कहा कि उनके अनुभव से पत्रकारिता हितार्थ को एक नई मजबूती मिलेगी। सम्मानित होने के बाद नरेन्द्र भारद्वाज ने पत्रकारों के हितों के लिए संघर्ष जारी रखने और उन्हें एकजुट करने का संकल्प दोहराया। अन्य वक्ताओं ने उनके निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त करते हुए इसे पत्रकारिता के हितार्थ बताया। इस दौरान क्षेत्र के नेहरू पंडित, रविन्द्र भारद्वाज, रतन यादव, विनोद यादव,कपिल यादव, राजू यादव, अनिल अग्रवाल, देवेंद्र सक्सेना, सतीश यादव, पार्षद सुभाष यादव,पार्षद विष्णु सैनी, मुकेश राजपूत, इंदर सिंह यादव, विजय किशोर शर्मा, भूरा यादव, अनन्य भारद्वाज, नारायण सिंह यादव, पूर्व संभासद, राधेलाल यादव, पूर्व संभासद दलजीत यादव, अनिल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, रामस्वरूप सैनी, चिन्टू शर्मा, रमेश सैनी, वरिष्ठ पत्रकार चंद्रप्रताप सिंह सिकरवार, अजय शर्मा, उमर कुरैशी, मधुसूदन शर्मा, दीपक बैंकर, योगेश भारद्वाज, रमेश चंद, लोकेश चौधरी, ओमप्रकाश सैनी, बी एल पांडेय, राजू पंडित, गौरव शर्मा, कल्लन पंडित, गुंजन खत्री, सुधीर यादव, हेमकिशोर शर्मा, पवन यादव,टीटू पहलवान, उमाशंकर पुरुवंशी, प्रमोद यादव,अनिल चौरासिया, डॉ विमल शर्मा, राजकुमार यादव, सुनील यादव एडवोकेट, मुनेश यादव, लाला राम यादव, अर्पित सक्सेना एडवोकेट, कुकल पंडित, अनन्य भारद्वाज, हर्षित मीणा, राजू खान, अभिर जादौन, अश्मित यादव, राम यादव, अमित बिष्ट, साहिल कुरैशी, शशांक सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में गणमान्य नागरिक व व्यापारी मौजूद रहे । समारोह का सफल संचालन देवेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने किया।

वृंदावन में यातायात व्यवस्था पर प्रशासन सख्त : बिना नंबर और बिना कागजात वाले ई-रिक्शों पर लगेगा 'ब्रेक'

जनता यूनियन मथुरा । धर्मनगरी वृंदावन में बढ़ते ट्रैफिक दबाव और जाम की समस्या को देखते हुए ट्रैफिक क्षेत्राधिकारी आशीष कुमार शर्मा ने कड़ा रुख अपना लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि श्रद्धालुओं और ब्रजवासियों की सुविधा के लिए अब शहर की सड़कों पर केवल वही ई-रिक्शा चलेंगे, जिनके पास वैध नंबर, रूट पास और पूरे कागजात होंगे।

ट्रैफिक सीओ ने बताया कि नगर में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए ई-रिक्शों की संख्या निर्धारित कर दी गई है। अब वृंदावन में केवल तीन हजार नौ सौ पंजीकृत ई-रिक्शा ही सवारियां ढो सकेंगे। प्रशासन द्वारा प्रत्येक ई-रिक्शा के लिए रूट और पास अनिवार्य कर दिया गया है। बिना नंबर के चल रहे अवैध ई-रिक्शों पर पूरी तरह पाबंदी रहेगी।

बाजार के भीड़भाड़ वाले इलाकों को सुरक्षित करने के लिए पुलिस ने बत्तीस स्थान चिह्नित किए हैं। इन जगहों पर रास्ता रोकने और व्यवस्थित करने के लिए चैन और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी, ताकि ई-रिक्शा मुख्य बाजारों के भीतर घुसकर जाम की स्थिति पैदा न कर सकें। नियमों का उल्लंघन करने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए आशीष कुमार शर्मा ने कहा कि गलत रूट पर चलने वाले या बिना जरूरी कागजात के पाए जाने वाले ई-रिक्शों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें तत्काल सीज किया जाएगा। सुरक्षा और व्यवस्था के साथ कोई समझौता नहीं होगा। प्रशासन ने श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों से भी सहयोग की अपील की है। ट्रैफिक सीओ ने कहा कि यात्री केवल उन्हीं ई-रिक्शों का उपयोग करें जिन पर रेट लिस्ट लगी हो। बिना रेट लिस्ट और बिना नंबर वाले रिक्शों पर बैठना असुविधाजनक हो सकता है।

कल्पतरू ग्रुप के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर एक और एफआईआर दर्ज

जनता यूनियन मथुरा । कल्पतरू ग्रुप ऑफ कंपनीज बिल्डटेक कारपोरेशन लिमिटेड पर निवेशकों से करोड़ों रुपये हड़पने के मामले में एक और एफआईआर दर्ज हुई है। देश के कई राज्यों में पहले ही ग्रुप के खिलाफ बडी संख्या में एफआईआर दर्ज हैं। कंपनी के मालिक की मौत का मामला भी रहस्य बना हुआ है। कंपनी मालिक मृत है या जीवित यह भी कई साल से चल रही जांच में तय नहीं हुआ है। एसीजेएम कोर्ट मथुरा के आदेश पर 11 अप्रैल 2026 को थाना फरह में कंपनी के चेयरमैन व कर्मचारियों के खिलाफ धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज की गई है। दादरा नगर हवेली के सिलवासा निवासी एजेंट गणेश देशमुख ने कंपनी पर फर्जी तरीके से पैसा जमा कराकर हड़पने का आरोप लगाया है। सिलवासा निवासी गणेश देशमुख ने बताया कि कल्पतरू ग्रुप ने उन्हें एजेंट नियुक्त कर करीब 150 से अधिक लोगों को शेयर होल्डर बनवाया। विजय पांचाल ठाणे, मोहन माचीगर मुंबई, घेला भाई पटेल गुजरात समेत कई राज्यों के लोगों ने कंपनी में निवेश किया था। आरोप है कि कंपनी ने शेयर होल्डर के नाम पर बड़ी रकम जमा कराई, लेकिन अवधि पूरी होने के बाद भी निवेशकों का पैसा वापस नहीं किया गया। पीड़ित ने बताया कि 6 मार्च 2026 को मथुरा आने पर पता चला कि कंपनी ने काफी लोगों का पैसा हड़प लिया है।

महिलाओं को मिलेगा निर्णयकर्ता का अधिकार, लोकतंत्र होगा और मजबूत

जनता यूनियन मथुरा । भारतीय जनता पार्टी महानगर जिला इकाई द्वारा सोमवार को होटल माधव में नारी शक्ति वंदन अभियान के अंतर्गत एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई जिसमे में महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व सशक्तिकरण और भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वहीं महानगर की मंत्री कल्पना गर्ग ने कहा कि देश में महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, लेकिन संसद और विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व अभी भी संतुलित नहीं है, जिसे समाप्त करने के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम-2023 एक ऐतिहासिक कदम है।

वहीं भारतीय जनता पार्टी में महिला मोर्चा की पूर्व महानगर अध्यक्ष एवं महानगर वर्तमान मंत्री पूजा चौधरी कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लाई गई यह पहल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में मील का पत्थर साबित होगी। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने वाला यह संवैधानिक संशोधन केवल एक कानून नहीं,बल्कि देश की करोड़ों माताओं,बहनों और बेटियों के सम्मान का राष्ट्रीय संकल्प है।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल आरक्षण नहीं, बल्कि एक व्यापक सिस्टम सुधार है, जो महिलाओं को 'भागीदार' से 'निर्णयकर्ता' बनाने की दिशा में बड़ा कदम है। यह सामाजिक न्याय, समान अवसर और सशक्त लोकतंत्र का प्रतीक है। वहीं जिला उपाध्यक्ष मुदिता शर्मा ने कहा

जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती है और नीतियां अधिक समावेशी व संवेदनशील बनती हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण जैसे क्षेत्रों में बेहतर परिणाम देखने को मिलते हैं। शोध बताते हैं कि जेंडर गैप कम होने पर वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर तक की वृद्धि संभव है।

पिछले 10 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां सामने आई हैं। 32 करोड़ से अधिक महिलाओं के बैंक खाते खोले गए हैं। मुद्रा योजना के तहत लगभग 68 प्रतिशत लाभार्थी महिलाएं हैं, जबकि 10 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़ी संख्या में घर महिलाओं के नाम किए गए हैं तथा सभी क्षेत्रों में 43 प्रतिशत तक महिलाओं की भागीदारी दर्ज की गई है। वहीं जिला उपाध्यक्ष मनीष पाराशर ने बताया अंत में मीडिया से अपील की गई कि वे इस अभियान को व्यापक स्तर पर प्रसारित करें, ताकि नारी सशक्तिकरण का संदेश जन-जन तक पहुंचे और देश एक समावेशी एवं सशक्त भविष्य की ओर अग्रसर हो सके।

इस अवसर पर सीए पायल खंडेलवाल डॉ झूमि कुलश्रेष्ठ भागवत आचार्य हरिवर्षा कौशल कु अंतिभा रेखा सांवलिया प्रतिभा सिंह विजयलक्ष्मी भारती वार्ष्णेय प्रियंका उपाध्याय एडवोकेट प्रतिभा शर्मा आदि मौजूद थे

एक बदमाश गिरफ्तार, चोरी का माल बरामद

झांसी जयूसं। एरच थाने की पुलिस ने चोरी करने के आरोप में एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से चोरी की सामग्री बरामद की है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति के निर्देशन में एरच थानाध्यक्ष उदय प्रताप सिंह, उपनिरीक्षक राजीवकांत, उपनिरीक्षक आशीष सिंह, आरक्षी कमलेश कुमरा, नितिन कुमार चोरी करने वाले बदमाशों की तलाश में लगे थे। सूचना मिली कि ग्राम इसकिल में रहने वाले रहीस के अमरुद्ध के बाग के पास स्थित चौराहा के पास चोरी करने वाला बदमाश खड़ा है। इस सूचना पर गई टीम ने घेराबंदी की तो उसने पुलिस दल पर फायरिंग की। बाद में पुलिस ने उसे दबोच लिया। इसके बाद पूछतांछ की। पूछतांछ के दौरान चोरी करने की बात स्वीकार की है।

पुलिस के मुताबिक ग्राम इसकिल निवासी अरुण कुशवाहा को गिरफ्तार कर लिया। अभियुक्त के कब्जे से एक तमंचा 315 बोर, दो कारतूस जिन्दा 315 बोर व एक खोखा कारतूस 315 बोर मय नाल में फंसा व चोरी हुआ सामान (दो जोड़ी पायल सफेद धातु व चार जोड़ी मीना/बिछिया, कुल 16 अदद सफेद धातु व एक नाक की कील पीली धातु, 500-500 रुपये के 138 नोट कुल 69,000/- रुपए) बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया।

दो पक्षों में मारपीट, मुकदमा दर्ज

झांसी जयूसं। टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजवारा में मामूली विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इस मामले में दोनों पक्षों ने एक दूसरे पर मारपीट व जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया। टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रजवारा निवासी आशिक ने थाने में तहरीर देते हुए बताया कि 8 अप्रैल 2026 की शाम करीब 6 बजे वह साप्ताहिक सब्जी बाजार में सब्जी खरीद रहा था। इसी दौरान गांव के डालचंद्र, संतोष, महीपत और मनोज वहां पहुंचे। आशिक का आरोप है कि इन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आशिक की शिकायत पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। दूसरे पक्ष रजवारा निवासी डालचंद्र अहिरवार ने भी पुलिस को तहरीर दी है। डालचंद्र ने आरोप लगाया कि बाजार में राहुल, आशिक और प्रेमचंद्र शराब के नशे में आए और धारदार हथियार (बका) से उन पर हमला किया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

झांसी जयूसं। बबीना ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम डगरिया रुंद्ध स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए विदाई समारोह एवं वार्षिक पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान भगवान दास उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के बच्चों ने अतिथियों के सम्मान में स्वागत गीत एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। बच्चों के नृत्य और गीतों ने उपस्थित सभी अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। ग्राम प्रधान भगवान दास ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित एआरपी डॉ. अखिलेश गोस्वामी, सुनील गुप्ता और डॉ. अचल सिंह ने बच्चों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती अंजना वर्मा की देखरेख मेंआयोजित इस समारोह मेंवर्ष भर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ राजाबेटी, अरुण शर्मा, रजनी और अनीषा बेगम ने बच्चों को उपहार भेंट कर भावपूर्ण विदाई दी। बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना की। कक्षा 5 के छात्र अपने गुरुओं से आशीर्वाद लेकर भावुक मन से विदा हुए। कार्यक्रम का संचालन और समापन सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए राष्ट्रगान के साथ किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासी ज?द्दन चच्चा, जानकी, शमा बेगम, उमरा, फिरोज, जाकिर, मनोज, पुष्पा, नीरज, प?द्मिनी, मंगल सिंह, तारावती, करन और वर्षा विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापिका अंजना वर्मा एवं समस्त स्टाफ राजाबेटी, अरुण शर्मा, रजनी और अनीषा बेगम एवं रागिनी की उपस्थिति में मेधावी बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। पुरस्कृत होने वाले बच्चों में- कक्षा 1 से आयु, कार्तिक, परी, कक्षा 2 से मायरा, आर्यन, जीविका, कक्षा 3 से यमी, अलीशा, अर्नव, कक्षा 4 से अल्वीरा, आफरीन, कजरी, कक्षा 5 से अंजलि, काजल, समद शामिल रहे। कक्षा 5 के छात्र अपने गुरुओं से आशीर्वाद लेकर भावुक मन से विदा हुए। प्रधानाध्यापिका ने सभी अतिथियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

न्यूज ब्रीफ

सट्टा खिलाते दो गिरफ्तार

झांसी जयूसं। बड़ागांव थाने की पुलिस ने सट्टा खिलाने के आरोप में दो लोगों को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक ग्राम बराठा निवासी अजय राजपूत व अरविन्द अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। यह लोग सर्विस रोड, ग्राम बराटा से अपने स्मार्ट मोबाइल फोन के माध्यम से ह्मश्व्द्द×99.छ्/ स्टीमेट लिक पर सट्टा खिलवा रहे थे। इनके कब्जे से दो मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त को अदालत में पेश किया। यहां से उन्हें जेल भेजा गया।

वारंटी गिरफ्तार

झांसी जयूसं। चिरगांव थाने की पुलिस ने मारपीट व धमकी देने के आरोप में वारंट पर एक आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक ग्राम सिया निवासी श्याम को गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया।

आपरेशन जीवन रक्षाः ट्रेन में चढ़ते वक्त गिरी महिला, आरपीएफ जवान ने बचाई जान

झांसी जयूसं। ग्वालियर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर बीती रात जीटी एक्सप्रेस में चढ़ते समय एक महिला प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिर गई। मौके पर तैनात आरपीएफ आरक्षक जितेंद्र सिंह ने तत्परता दिखाते हुए उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना का सीसीटीवी वीडियो सोमवार को सामने आया है। सुनीता नाम की महिला ग्वालियर से आगरा जाने के लिए जीटी एक्सप्रेस में सवार होने आई थी। ट्रेन चलने लगी तो उसने जल्दबाजी में चढ़ने का प्रयास किया, इसी दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया।

प्लेटफॉर्म, ट्रेन के बीच गिरी महिला : पैर फिसलने से महिला प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिर गई। घटना के बाद वहां मौजूद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ जवान जितेंद्र सिंह ने तुरंत कार्रवाई करते हुए महिला को खींचकर बाहर निकाला। कुछ सेकंड की देरी से बड़ा हादसा हो सकता था। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से चलती ट्रेन में चढ़ने-उतरने से बचने की अपील की है। घटना के बाद महिला की हालत सामान्य बताई गई है।

युवती लापता, तलाश में जुटी पुलिस

झांसी जयूसं। टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र से 19 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने तलाश शुरु कर दी है। महोबा निवासी युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में अपने मामा के घर रह रही थी। आरोप है कि 31 मार्च 2026 की सुबह करीब 4 बजे वह घर से चली गई। परिजनों ने आशंका जताई है कि ग्राम सौरा, थाना महोबकंठ निवासी धर्मेंद्र नामक युवक उसे अपने साथ ले गया है। पिता ने तहरीर में यह भी बताया कि युवती अपने साथ सोने-चांदी के जेवरात और करीब 8 हजार रुपये नकद भी ले गई है। घटना के बाद परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चल सका। टोड़ीफतेहपुर पुलिस ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। पुलिस ने युवती की तलाश शुरु कर दी है।

जमीनी विवाद में सात युवक गिरफ्तार

झांसी जयूसं। रक्सा थाने की पुलिस ने जमीन के विवाद पर झगड़ा करते समय सात लोगों को गिरफ्तार कर लिया। इनका शांतिभंग करने का चालान किया गया।

रक्सा थाना क्षेत्र के राजापुर में जमीन विवाद के चलते कुछ युवक आपस में झगड़ा कर रहे हैं। इस सूचना पर गई पुलिस ने सातों युवकों को पकड़ लिया। थाना लाया गया। पुलिस के मुताबिक नंदलाल प्रजापति, नवल किशोर, कमल सिंह, संतोष, कैलाश, बृजमोहन और निर्मल को हिरासत में लिया गया है। ये सभी युवक आपस में चचेरे भाई हैं। जानकारी के मुताबिक, मकान निर्माण के दौरान हुए जमीन विवाद को लेकर उनके बीच झगड़ा हुआ था। सभी आरोपियों को अदालत में पेश किया।

जयंती की पूर्व संध्या पर भीम ज्योति जलाकर बाबा साहब को किया नमन

झांसी जयूसं। आज उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग के निर्देशानुसार विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार शीलू के संयोजन एवं वरिष्ठ अधिवक्ता रामकुमार खरे की अध्यक्षता में संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135 वीं जयंती की पूर्व संध्या पर अम्बेडकर पार्क कचहरी चौराहा पर कांग्रेसियो ने बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और ग्यारह किलो वजन की मोमबत्ती भीम ज्योति जलाकार दीपदान किया। इस मौके पर मनीराम कुशवाहा, डॉ.बलवान सिंह यादव , रघुराज शर्मा, अमीर चंद आर्य, हरिओम श्रीवास, डॉ. पप्पू राम सहाय, डॉ . काशीराम भिटौरिया,उमा चरण वर्मा, राकेश तिवारी, नीरज सिनौरिया, पवन राज, नीरज सेन, हरिशंकर बाल्मीकि, महमूद, सन्तोष व दयाल दास आदि मौजूद रहें। अंत में प्रदेश महासचिव अमीर चंद आर्य ने आभार व्यक्त किया।

अमावस्या मेला पर मेला स्पेशल गाड़ियों का होगा संचालन

झांसी जयूसं। चित्रकूट धाम कर्वी में 16 से 18 अप्रैल 2026 तक बैसाख अमावस्या मेले के अवसर पर यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से मेला स्पेशल गाड़ियों का संचालन किया जा रहा है। रेलवे के मुताबिक एक मेला स्पेशल वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी -चित्रकूट धाम कर्वी-वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी, एक मेला स्पेशल वीरांगना लक्ष्मी बाई झांसी-चित्रकूट धाम कर्वी के मध्य शाम को संचालित की जायेगी। उपरोक्त सुविधा के अतिरिक्त गाड़ी संख्या 64613/64614 वीरांगना लक्ष्मी बाई झाँसी-बाँदा मेमू को चित्रकूट धाम कर्वी तक आवश्यकतानुसार विस्तारीकृत किया जायेगा। यात्रियों की संख्या बढ़ने की दशा में एक अतिरिक्त रैक स्टैंडबाई मोड़ में तैयार रखा जायेगा, जिसको आवश्यकतानुसार कानपुर-चित्रकूट के मध्य संचालित किया जायेगा।

मतदाता सूची की डाउनलोडिंग 21 तक

निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य, अन्तिम प्रकाशन 22 को

झांसी जयूसं। जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत एवं नगरीय निकाय) ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग, उ.प्र., लखनऊ के निर्देशानुसार जनपद झांसी में संशोधित समय सारिणी के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण हेतु 17 मार्च से 21 अप्रैल 2026 तक मतदाता सूचियों की कम्प्यूटरीकरण के उपरान्त मतदान केन्द्र / स्थलों का क्रमांकन, मतदेय स्थलों के वार्डो की मैपिंग, मतदात्ता क्रमांकन,एसव्हीएन आवंटन, मतदाता सूची की डाउनलोडिंग, फोटो प्रतियों कराने आदि तथा 22 अप्रैल, 2026 को निर्वाचक नामावलियों का जनसामान्य के लिए अन्तिम प्रकाशन किया जाएगा।

उन्होंने जनपद के समस्त उपजिलाधिकारी / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, जनपद झाँसी एवं समस्त खण्ड विकास अधिकारी/समन्वयक अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत त्रिस्तरीय पंचायतों की निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सार्वजनिक जानकारी हेतु समस्त सम्बन्धित कार्यालयों के सूचना पट्ट पर भी यह कार्यक्रम प्रदर्शित करायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्वाचक नामावली के वृहद् पुनरीक्षण के दौरान पड़ने वाले सार्वजनिक अवकाश दिवसों में सम्बन्धित कार्यालय खुले रहेंगे तथा निर्धारित समय सारिणी के अनुसार निर्वाचक नामावली के वृहद पुनरीक्षण का कार्य पूर्ण कराया जाएगा।

किलाबंदी कर चला टिकट जाँच अभियान

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा के निर्देशन में बिना टिकट यात्रियों की रोकथाम हेतु ग्वालियर-भिंड रेलखंड पर व ट्रेनों में बिना टिकट, अनियमित रूप से यात्रा करने वाले, धुम्रपान करने वाले, गंदगी फैलाने वाले यात्रियों की धरपकड़ हेतु वृहद स्टर पर टिकट जांच अभियान चलाया गया। दिन भर चले इस जांच अभियान में कुल 45 यात्रियों से रु.14 हजार से अधिक रेल राजस्व वसूल किया गया । इस अभियान का नेत्रित्व सहायक वाणिज्य प्रबंधक आर के वर्मा द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य वाणिज्य निरीक्षक रूप सिंह मीना, मुख्य टिकट निरीक्षक अनिल कुमार सिकरवार, उप मुख्य टिकट निरीक्षक अजेन्द्र सिंह एवं वरिष्ठ वाणिज्य सह टिकट क्लर्क उमाकांत उपाध्याय तथा शिवेंद्र कुमार यादव द्वारा विशेष भूमिका निभायी गयी। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमन वर्मा ने बताया कि इस प्रकार के जांच अभियान निरंतर जारी रहेंगे।

वैज्ञानिक तरीकों से बढ़ाऐं मछली की गुणवत्ता

झांसी जयूसं। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के मात्स्यिकी महाविद्यालय के वैज्ञानिकों ने बुंदेलखंड के मत्स्य पालकों को मछली उत्पादन के साथ-साथ उसकी गुणवत्ता बनाए रखने हेतु वैज्ञानिक हैंडलिंग और संरक्षण अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में मत्स्य उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ रही है, लेकिन मछली पकड़ने के बाद उचित प्रबंधन के अभाव में उसकी गुणवत्ता शीघ्र खराब हो जाती है, इससे किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पाता। मात्स्यिकी महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. गिरिजा सौरभ बेहेरे एवं अधिष्ठाता डॉ. प्रमोद कुमार पाण्डेय ने बताया कि मछली की ताजगी बनाए रखने के लिए पकड़ने से लगभग 24 घंटे पूर्व मछलियों को आहार देना बंद कर देना चाहिए। इससे आंत में भोजन की मात्रा कम होती है और सूक्ष्मजीवों की वृद्धि की संभावना घटती है। उन्होंने बताया कि मछली पकड़ते समय स्वच्छ जाल, कंटेनर एवं उपकरणों का उपयोग करना अत्यंत आवश्यक है तथा मछलियों को अनावश्यक दबाव और चोट से बचाना चाहिए। शारीरिक क्षति होने पर मछली में एंजाइम और सूक्ष्मजीव तेजी से सक्रिय हो जाते हैं, इससे उसकी गुणवत्ता प्रभावित होती है। विशेषज्ञों के अनुसार मछली पकड़ने के तुरंत बाद उसे बर्फ और पानी के मिश्रण में रखना चाहिए। बर्फ और पानी का अनुपात 1-1 रखने से मछली का तापमान तेजी से लगभग 0C तक पहुंच जाता है, इससे खराब होने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। परिवहन एवं विपणन के दौरान भी मछली और बर्फ का अनुपात 1:1 बनाए रखना चाहिए, इससे तापमान 0C से 4C के बीच बना रहे। उन्होंने स्वच्छता और जल गुणवत्ता प्रबंधन पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि तालाब के पानी में पीएच, घुलित ऑक्सीजन एवं प्रदूषण स्तर की नियमित जांच आवश्यक है। प्रसंस्करण के दौरान साफ पानी का उपयोग करें, कच्ची एवं प्रसंस्कृत मछली को अलग रखें तथा उपकरणों की नियमित सफाई करें। बुंदेलखंड जैसे अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में बिजली की सीमित उपलब्धता को देखते हुए वैज्ञानिकों ने सौर ऊर्जा आधारित कोल्ड चेन तकनीक को उपयोगी बताया। सोलर आइस मशीन एवं सोलर चिलिंग यूनिट के माध्यम से मछली को लंबे समय तक ताजा रखा जा सकता है और परिवहन के दौरान गुणवत्ता हानि को कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बुंदेलखंड के मत्स्य किसान वैज्ञानिक हैंडलिंग, उचित आइसिंग, स्वच्छ प्रसंस्करण एवं नियंत्रित तापमान भंडारण तकनीकों को अपनाते हैं, तो न केवल मछली की गुणवत्ता और मांग बढ़ेगी, बल्कि किसानों की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। साथ ही क्षेत्र में पोषण सुरक्षा को भी मजबूती मिलेगी।

कचरा निस्तारण के लिए नगर निगम झाँसी व रेलवे विभाग की हुयी संयुक्त मीटिंग

झाँसी जयूसं। सोमवार को नगर निगम सीमान्तर्गत के समीप रेलवे क्षेत्र की भूमि पर अनाधिकृत आने वाले कचरे के निस्तारण हेतु समीक्षा बैठक मण्डल रेल प्रबन्धक की अध्यक्षता में की गयी। जिसमें रेलवे क्षेत्र में उत्सर्जित होने वाले कचरे से सम्बन्धित प्रस्तुतीकरण नगर आयुक्त महोदया के उपस्थिति में किया गया है।

जिसमें रेलवे एवं नगर निगम सीमान्तर्गत क्षेत्र में जगह-जगह अन्यत्र कूड़े के ढेर (जीवीपी प्वाईन्ट) पाये जाते है। जिस हेतु नगर निगम झाँसी एवं रेलवे के अधिकारियों/कार्मिकों को निर्देशित किया गया है कि विशेष सफाई अभियान चलाते हुये अपने-अपने अधीनस्थ क्षेत्रों से जीवीपी प्वाईन्ट समाप्त कराये, साथ ही भविष्य में क्षेत्रों की सघन निगरानी करते हुये उत्सर्जित होने वाले कचरे के निस्तारण हेतु प्रचार-प्रसार किया जाये एवं नियमित रूप से निरीक्षण के दौरान सम्बन्धित नागरिकों / प्रतिष्ठानों के विरूद्ध सॉलिड वेस्ट नियमावली-2016 के अनुसार कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देश दिये। नगरं निगम सीमान्तर्गत समीप लगे रेलवे क्षेत्र में रेलवे विभाग द्वारा नियमित रूप से साफ-सफाई कराने एवं प्रतिदिन मॉनीटरिंग किये जाने हेतु सहमति प्रदान की गयी। जिस सम्बन्ध में मुख्यतः जैसे वार्ड नं0-31 सिद्धेश्वर नगर में रेलवे अण्डर ब्रिज के आसपास गन्दगी का ढेर, वार्ड नं0-26 इसाईटोला में गौड़ बाबा मन्दिर कैथेड्रिल स्कूल मार्ग पर पड़े कचरे के निस्तारण सीपरी बाजार कच्चा पक्का पुल के आसपास गन्दगी के निस्तारण वार्ड नं0-44 चित्रा चौराहा के पास बाबा धाम के समीप गन्दगी, वार्ड नं0-21 पाल कालोनी में रेलवे क्रांसिग के पास पानी बहाव के लिये नाली निर्माण सम्बन्धी संयुक्त निरीक्षण किये जाने हेतु सहमति हुयी। वार्ड नं0-12 स्कूलपुरा गढियाफाटक, वार्ड नं0-28 हीरापुरा नगरा टेलीफोन एक्सचेंज के पास, हाट कलारी मैदान के सामने एवं वार्ड नं0-29 नैनागढ़ दक्षिण एसी कोंच महावीरन पानी की कें पास अत्यधिक मात्रा में कचरा एकत्रित होने पर माइक्रोप्लान अनुसार नियमित रूप से साफ-सफाई बनाये जाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश मीटिंग में उपस्थित अधिकारियों को दिये गये। उक्त समीक्षा बैठक में रेलवे विभाग द्वारा अपर मण्डल रेल प्रबन्धक (परिचालक नन्दीश शुक्ला, रविकान्त, डी0एन0 हैड क्वॉटर, डॉ0 कुलदीप स्वरूप मिश्रा, सीएमएस, डॉ सिद्धार्थ केसरवानी, वरिष्ठ रेल प्रबन्धक, गौरव कुमार, ई0एन0एच0एम0, राहुल शुक्ला, वरिष्ठ डी0एम0ई0 साथ ही नगर निगम झाँसी से डॉ0 विनीत कुमार, वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी, अभिलाष रायकवार, मुख्य सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, मनोज श्रीवास्तव, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, प्रदीप कुमार अग्निहोत्री, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, श्री संजय चन्द्रा, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, अनूप कुमार साहू, सफाई एवं खाद्य निरीक्षक द्वारा प्रतिभाग किया गया है।

छात्र-छात्राओं को हेल्पलाइन नंबरों और साइबर सुरक्षा की दी गई जानकारी

झांसी जयूसं। मिशन शक्ति फेज 5.0 के दूसरे चरण के तहत एक जागरुकता कार्यक्रम दतिया गेट बाहर स्थित सरस्वती बालिका विद्या कन्या इंटर कॉलेज में आयोजित किया गया। इस दौरान मिशन शक्ति और एंटी रोमियो टीम ने छात्र-छात्राओं को महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश में मिशन शक्ति अभियान फेस 5.0 के तहत थाना कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक किरण रावत व महिला आरक्षी सुनीता, महिला कांस्टेबल मोहिनी तिवारी तथा महिला कॉन्स्टेबल मीनू द्वारा सरस्वती बालिका विद्या कन्या इंटर कॉलेज में जाकर नारी सुरक्षा ,नारी सम्मान ,नारी स्वावलंबन के तहत छात्राओं और अध्यापिकाओं को सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, मातृ वंदना योजना , निराश्रित महिला पेंशन योजना आदि योजनाओ के बारे में तथा विभिन्न आकस्मिक सेवा हेल्पलाइन नंबर 1090, 181, 102, 108, 112, 1076, 1098, 1930 आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई । उनकी समस्याओं को सुना गया, किसी के द्वारा कोई भी समस्या नहीं बताई गई एवं उनकी सुविधा हेतु पिंक कार्ड भी वितरित किए गए तथा शिकायत पेटिका चेक करने पर कोई शिकायत नहीं प्राप्त हुई।

टीम ने बच्चों को गुड टच और बैड टच के बारे में सरल भाषा में समझाया, ताकि वे अपनी सुरक्षा के प्रति जागरूक हो सकें। इसके अतिरिक्त, साइबर क्राइम, ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल और ओटीपी शेयरिंग जैसी घटनाओं से बचने के उपायों पर भी विस्तृत चर्चा की गई।

cmyk

चुरा लिया है तुमने जो दिल को...

■ आशा भोसले ने लगभग आठ दशक तक अपनी गायिकी से श्रोताओं को अपना दीवाना बनाए रखा

मुम्बई, (एजेंसियां)। भारतीय सिनेमा जगत में आशा भोसले को ऐसी पार्श्वगायिका के तौर पर याद किया जाएगा, जिन्होंने अपनी आवाज की कशिश से लगभग आठ दशक तक श्रोताओं को अपना दीवाना बनाये रखा।

महाराष्ट्र के सांगली गांव में 8 सितम्बर 1933 को जन्मी आशा भोसले के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर मराठी रंगमंच से जुड़े हुए थे। नौ वर्ष की छोटी उम्र में ही आशा भोसले के सिर से पिता का साया उठ गया और परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी को उठाते हुए आशा भोसले और उनकी दीदी लता मंगेशकर ने फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ गाना भी शुरू कर दिया।

आशा भोसले ने अपना पहला गीत वर्ष 1948 में सावन आया फिल्म चुनरिया में गाया। सोलह वर्ष की उम्र में अपने परिवार की इच्छा के विरूद्ध जाते हुए आशा भोसले ने अपनी उम्र से काफी बड़े गणपत राव भोसले से शादी कर ली। उनकी वह शादी ज्यादा सफल नहीं रही और अंतत: उन्हें मुंबई से वापस अपने घर पुणे आना पड़ा। उस समय तक गीतादत्त, शमशाद बेगम और लता मंगेश्कर फिल्मों में बतौर पार्श्‍वगायिका अपनी धाक जमा चुकी थी।

वर्ष 1957 में संगीतकार ओ.पी. नैय्यर के संगीत निर्देशन में बनी निर्माता-निर्देशक बी.आर.चोपड़ा की फिल्म नया दौर आशा भोसले के सिने करियर का अहम पड़ाव लेकर आई। वर्ष 1966 में तीसरी मंजिल में आशा भोसले ने आर.डी.बर्मन के संगीत में आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा गाना को अपनी आवाज दी, जिससे उन्हें काफी प्रसिद्ध मिली। साठ और सत्तर के दशक में आशा भोसले हिन्दी फिल्मों की प्रख्यात नर्तक अभिनेत्री हेलन की आवाज समझी जाती थी। आशा भोसले ने हेलन के लिए तीसरी मंजिल में 'ओ हसीना जुल्फों वाली' कारवां में पिया तू अब तो आजा 'मेरे जीवन साथी में' आओ ना गले लगा लो ना और डॉन में 'ये मेरा दिल प्यार का दीवाना' गीत गाया। शास्त्रीय संगीत से लेकर पाश्चात्य धुनों पर गाने में महारत हासिल करने वाली आशा भोसले ने वर्ष 1981 में प्रदर्शित फिल्म उमराव जान से अपने गाने के अंदाज में परिवर्तन किया। फिल्म उमराव जान से आशा भोसले एक कैबरे सिंगर और पॉप सिंगर की छवि से बाहर निकली और लोगों को यह अहसास हुआ कि वह हर तरह के गीत गाने मे सक्षम है। उमराव जान के लिए आशा भोसले ने 'दिल चीज क्या है' और 'इन आंखों की मस्ती के' जैसी गजलें गाकर उन्हें खुद भी आश्चर्य हुआ कि वह इस तरह के गीत गा सकती हैं। इस फिल्म के लिए उन्हें अपने करियर का पहला नेशनल अवार्ड भी मिला। वर्ष 1994 में अपने पति आर डी बर्मन की मौत से आशा भोसले को गहरा सदमा लगा और उन्होंने गायिकी से मुंह मोड़ लिया, लेकिन उनकी जादुई आवाज आखिर दुनिया से कब तक मुंह मोड़े रहती। उनकी आवाज की आवश्यकता हर संगीतकार को थी। कुछ महीनों की खामोशी के बाद इसकी पहल की संगीतकार ए.आर.रहमान ने।

रहमान को अपनी रंगीला फिल्म के लिए आशा भोसले की आवाज की जरूरत थी। उन्होंने 1995 में 'तन्हा तन्हा' गीत फिल्म रंगीला के लिए गाया। आशा भोसले के सिने करियर मे यह एक बार फिर महत्वपूर्ण मोड़ आया और उसके बाद उन्होंने आजकल की धूम धड़ाके से भरे संगीत की दुनिया में कदम रख दिया।

आशा भोसले को बतौर गायिका आठ बार फिल्म फेयर पुरस्कार मिले और वर्ष 2001 में फिल्म जगत के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इससे पूर्व उन्हें उमराव जान और इजाजत में उनके गाये गीतों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया।आज रिमिक्स गीतों के दौर में बनाए गए गानों पर यदि एक नजर डाले तो पायेंगे कि उनमें से अधिकांश नगमें आशा भोंसले ने ही गाये थे। इन रिमिक्स गानों में पान खाये सइयां हमार, पर्दे में रहने दो, जब चली ठंडी हवा, शहरी बाबू दिल लहरी बाबू, झुमका गिरा रे बरेली के बाजार में, काली घटा छाये मोरा जिया घबराये, लोगों न मारो इसे, कह दूं तुम्हें या चुप रहूं और मेरी बेरी के बेर मत तोड़ो जैसे सुपरहिट गीत शामिल है।

आशा और लता ने साथ गाए गाने 'मन क्यों बहका' गाने का किस्सा

नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत में जब भी सुरों की बात होती है, तो दो नाम सबसे पहले सामने आते हैं- लता मंगेशकर और आशा भोसले। आज ये दोनों दिग्गज गायिका दुनिया में नहीं हैं, लेकिन इन्होंने साथ मिलकर कई ऐसे सुपरहिट गाने दिए, जो आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं। आशा भोसले के निधन की खबर के बीच उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह इस बात का खुलासा करती नजर आ रही हैं कि उन्होंने और लता मंगेशकर ने साथ में मिलकर कितने गाने गाए है। दरअसल, यह वीडियो सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल का है।

शो के दौरान उन्होंने बताया कि लता दीदी और उन्होंने मिलकर 92 या 93 गाने गाए हैं। पुराने दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि जब भी हम साथ में गाना गाते थे, तो हम एक-दूसरे की ओर देखते थे। मेरी हमेशा कोशिश रहती थी कि मैं लता दीदी से कभी कम न पड़ूं। शो के दौरान आशा भोसले ने मशहूर गीत मन क्यों बहका रे बहका आधी रात को गाकर भी सुनाया। इस दौरान खास बात यह रही कि उन्होंने उन हिस्सों को लता मंगेशकर के अंदाज में गाने की कोशिश की, जो असल में स्वर कोकिला ने गाए थे। इस प्रदर्शन ने वहां मौजूद सभी लोगों को भावुक कर दिया। आशा भोसले ने एक दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया कि इस गाने की रिकॉर्डिंग के दौरान जब मैंने आधी रात वाली लाइन को थोड़ी अलग लय में गाया, तो लता दीदी ने चश्मा उठाकर मेरी तरफ देखा और गर्दन हिलाकर मेरी तारीफ की। यह पल मेरे लिए बेहद खास था। दोनों बहनों ने साथ मिलकर कई यादगार गीत दिए, जिनमें मनभावन के घर जाए गोरी, मन क्यों बहका रे बहका आधी रात को, मैं चली मैं चली देखो प्यार की गली, सखी रे सुन बोले पपीहा, छाप तिलक सब छीनी जैसे गाने शामिल हैं। इन गानों ने न सिर्फ उस दौर में लोकप्रियता हासिल की, बल्कि आज भी लोगों की पसंदीदा गानों में शुमार हैं।

फिल्मी हस्तियों ने जताया आशा भोसले के निधन पर दुख

मुंबई, (एजेंसियां) दिग्गज पार्श्वगायिका आशा भोसले के निधन पर फिल्म जगत में शोक की लहर फैल गई। अनेक फिल्मीं हस्तियों ने उनके निधन पर गहरा दुख जताते हुये उनके योगदान को याद किया। दिग्गज अभिनेत्री हेमा मालिनी ने आशा भोसले के निधन पर शोक जताया। उन्होंने आशा भोसले के साथ अपनी दो खूबसूरत तस्वीरें शेयर की हैं। हेमा मालिनी ने इन तस्वीरों के साथ लिखा कि आशा ताई अब हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने अपनी अनोखी आवाज और अंदाज से मेरे कई गानों को बेहद लोकप्रिय बनाया। लता जी और आशा जी, दोनों के साथ मेरा बहुत ही खास रिश्ता था; फिल्म इंडस्ट्री में मेरी सफलता में उन दोनों का योगदान बहुत बड़ा रहा है। यह महाराष्ट्र और पूरे भारत के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई या जिसकी जगह कोई और कभी नहीं ले सकता।

वहीं अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि महाराष्ट्र/भारत की शान, दिग्गज गायिका, पद्म विभूषण से सम्मानित, सही मायने में भारत रत्न, अत्यंत प्रतिभाशाली, हमारी महान गायिका लता मंगेशकर की बहन, अद्भुत महिला, जादुई और प्रतिष्ठित गायिका, महान गायिका आशा ताई के निधन से दिल टूट गया है और वह बेहद दुखी हैं। कमल हासन ने आशा भोसले के साथ चाची-420 की अनसीन फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो आशा ताई के साथ दिख रहे हैं। उन्होंने लिखा, स्थायी गायिका सखी जागो। आशा भोसले के निधन पर दिग्गज अभिनेती सायरा बानो बेहद दुखी हैं।उन्होंने कहा कि वे लोग खुश किस्मत थे जिन्हें आशा ताई से जुड़ने का मौका मिला। शाहरुख खान ने लिखा, आशा ताई के निधन के बारे में जानकर सचमुच बहुत दुख हुआ। उनकी आवाज भारतीय सिनेमा के मुख्य स्तंभों में से एक रही है और आने वाली सदियों तक पूरी दुनिया में गूंजती रहेगी। उनकी प्रतिभा कई लोगों से भी ज्यादा समय तक जीवित रहेगी। उन्होंने हमेशा मुझ पर अपना आशीर्वाद और प्यार बरसाया। मुझे उनकी बहुत याद आएगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे आपकी याद आएगी। आशा भोसले के निधन पर एआर रहमान ने सोशल मीडिया पर श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने लिखा है, वे अपनी आवाज और आभा के जरिए हमेशा जीवित रहेंगी। क्या कमाल की कलाकार थीं। संजय दत्त ने लिखा कि आशा जी के निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनकी आवाज सिर्फ संगीत नहीं थी, बल्कि भावना, स्मृति और जादू का संगम थी, जो हमेशा अमर रहेगी. मुझे उनके साथ गीत गाने और उनसे बहुत कुछ सीखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। भारतीय संगीत जगत के लिए ये एक भारी नुकसान है. उनकी आत्मा को शांति मिले। अक्षय कुमार ने आशा भोसले के साथ एक थ्रोबैक तस्वीर शेयर की और उन्हें श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आशा भोसले की सुरीली आवाज़ हमेशा अमर रहेगी और भारतीय संगीत जगत उन्हें हमेशा याद रखेगा। दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर लिखा कि चंचल धुनों से लेकर भावपूर्ण गजलों तक, थिरकने वाले गीतों से लेकर गहरे रोमांटिक गीतों तक। उन्होंने हर सुर को अपना बना लिया. लेकिन संगीत से परे, आशा जी को वास्तव में असाधारण बनाने वाली बात थी उनका जज़्बा। उन्होंने केवल संगीतकारों को ही नहीं, बल्कि लोगों को प्रासंगिक बने रहने के लिए, जोशीले बने रहने के लिए, जीवन के हर मायने में जीवंत रहने के लिए प्रेरित किया। सुनील शेट्टी ने लिखा कि कुछ आवाज़ें सिर्फ़ गाती ही नहींज्वे आपके जीवन का हिस्सा बन जाती हैं. आशा ताई उन्हीं में से एक थीं. हम सब किसी न किसी रूप में उनके साथ बड़े हुए हैं - अपने घरों में, अपनी यात्राओं में, अपने शांत पलों में. आज उनके साथ एक युग का अंत होना कहना भी कम होगा। फिल्मकार करण जौहर ने लिखा, यह कहना कि हमने आज एक लेजेंड को खो दिया, बहुत छोटा होगा। आशा जी जैसी कोई दूसरी नहीं थी। उनकी आवाज सिर्फ एक पीढ़ी ही नहीं, बल्कि पूरे सिनेमा के दौर को परिभाषित करती थी। मैं हमेशा से उनकी आवाज, उनकी कला और उनकी शख्सियत का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। आशा जी, आपका संगीत हमेशा जिंदा रहेगा और हम खुद को खुशकिस्मत मानते हैं कि हमें आपका जादू महसूस करने का मौका मिला।

घर काम करने वाली महिला ने आशा को जमीन से जुड़ी हुई बताया

मुंबई। दिवंगत गायिका आशा भोसले के घर पर 40 वर्षों तक काम करने वाली सुनम साल्वे ने उन्हें जमीन से जुड़ा हुआ और अपने जैसी एक गरीब महिला को भी सम्मान देने वाला बताया। रविवार को मुंबई में 92 वर्ष की आयु में गायिका का निधन हो गया। उन्हें शनिवार को ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बताया जा रहा है कि वह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थीं। डॉक्टर प्रतीत समदानी ने बताया कि महान गायिका का निधन शरीर के कई अंगों के काम करना बंद कर देने (मल्टीपल ऑर्गन फेलियर) के कारण हुआ।

साल्वे ने कहा कि मैं उनके (आशा भोसले के) घर पर काम करती थी। उनका व्यवहार बहुत अच्छा था। उन्होंने मुझ जैसी एक गरीब महिला को, जो झुग्गी-झोपड़ी में रहती है, बहुत इज्जत दी। दिवंगत गायिका की सेहत को लेकर अपनी चिंता जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि जब हमें पता चला कि उन्हें (आशा भोसले को) ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, तो हम बहुत परेशान हो गए थे। आज की खबर ने हमें बहुत दुखी कर दिया है। आशा भोसले के स्वभाव पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि एक गायिका के तौर पर सफलता की ऊंचाइयों को छूने के बावजूद, वह हमेशा जमीन से जुड़ी रहीं। वह मेरे गांव भी आई थीं। जब भी मुझे छुट्टी की जरूरत होती थी, उन्होंने दी, कभी मना नहीं किया। गायिका के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए साल्वे ने बताया कि उन्हें यह खबर रविवार सुबह ही मिली। मैं पिछले आठ दिनों से अपने घर पर थी। मुझे आज सुबह ही उनके गुजरने के बारे में पता चला और मुझे बहुत दुख हुआ। पुष्पा नवर, जो दिवंगत गायिका लता मंगेशकर के घर पर काम करती थीं और वहीं रहती थीं, ने कहा कि मैं लता दीदी के साथ काम करती थी और उनके घर पर ही रहती थी। उनके गुजरने के बाद, मैंने काम करना छोड़ दिया। आशा दीदी बहुत दयालु थीं।

किशोर कुमार और आशा भोसले को एक साथ झेलना पड़ा था रिजेक्शन

गाने लायक नहीं है आवाज

मुंबई, (एजेंसियां)। सिंगर आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं हैं। आशा भोसले का निधन हिंदी सिनेमा और संगीत जगत के लिए भारी क्षति है। करीब सात दशक में अपनी आवाज से देश दुनिया में एक अलग पहचान बनाने वाली आशा भोसले को करियर के शुरुआती समय में रिजेक्शन का सामना करना पड़ा था।

रोमांटिक से लेकर इमोशनल गानों से दर्शकों को रोने पर मजबूर कर देने वाली आशा भोसले को करियर में शुरुआत और खासकर मुंबई आने के बाद काफी कुछ झेलना पड़ता था। सिंगर ने रिजेक्शन वाले दिन बासी बटाटा वड़ा और चाय पीकर पूरा दिन निकाला था।

दरअसल आशा भोसले ने मुंबई के 'फेमस महालक्ष्मी स्टूडियो' से 15 साल की उम्र में गाना गाना शुरू किया था। इस स्टूडियो में आशा और किशोर कुमार एक गाने की रिकॉर्डिंग करने पहुंचे थे, जहां गुलशन कुमार ने गाने की रिकॉर्डिंग में पहले ही देर कर दी थी और माइक इतने ऊंचे लगे थे कि दोनों को गाने में मुश्किल आ रही थी। ऐसे में स्टूडियो में दोनों सिंगर्स के लिए रिकॉर्ड करना मुश्किल हो रहा था। अमृता राव के साथ एक पोडकास्ट में आशा भोसले ने बताया था कि रॉबिन चटर्जी रिकॉर्डिस्ट ने हमें गाते हुए देखा और चिल्लाने लगा। ये कैसी आवाज है, नहीं चलेगी, गीता को बुलाओ और उन्हें बाहर भेजो। यह सुनकर हम दोनों चुपचाप निकल गए। दोनों को बहुत बुरा लगा था, लेकिन उम्मीद नहीं छोड़ी। मन के अंदर दुख भी था। मैं और किशोर कुमार महालक्ष्मी रेलवे स्टेशन पर आ पहुंचे और वहां बैठकर समय बिताया। भूख भी लगी थी, क्योंकि पूरा दिन कुछ खाया नहीं था तभी किशोर दा ने पास की दुकान से बासी बटाटा वड़ा और चाय ली और वो दिन का हमारा पहला खाना था। आशा भोसले ने बताया कि गाने की रिकॉर्डिंग देर से शुरू हुई तो कुछ खाने का समय नहीं मिला और पूरा दिन ऐसे ही गुजर गया, लेकिन 4 साल बाद हम दोनों फेमस हो गए। किशोर कुमार अभिनेता और मैं सिंगर बन चुकी थी। हमें गाना रिकॉर्ड करने उसी स्टूडियो में आना था और रिकॉर्डिस्ट थे वही रॉबिन चटर्जी। किशोर कुमार ने साफ कर दिया कि वो इसके साथ गाना रिकॉर्ड नहीं करेंगे, लेकिन फिर हमने समझाया कि जो उसने किया, वो हम नहीं कर सकते। इस रिजेक्शन से पहले आशा और किशोर कुमार तीन गाने साथ में गा चुके थे और चौथा गाना गाने की तैयारी में थे।

आशा भोसले के सुपरहिट गाना दम मारो दम पर टीवी और रेडियो ने लगाया था बैन

आशा भोंसले के सुपरहिट गाना 'दम मारो दम' पर टीवी और रेडियो ने बैन लगा दिया था। वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म हरे रामा हरे कृष्णा में आशा भोंसले ने सुपरहिट गाना दम मारो दम गाया था। यह गाना जीनत अमान पर फिल्माया गया था। इस गाने में जीनत अमान को जिस अंदाज में हिप्पी कल्चर और नशे में दिखाया गया था, उसे लेकर खूब बवाल मचा था। इस गाने पर नशे को बढ़ावा देने का आरोप लगा था और इसे रेडियो और टीवी ने बैन कर दिया। भले ही गाना दम मारो दम पर विवाद हुआ और इसे बैन भी किया गया, लेकिन इसकी गिनती आज भी बॉलीवुड के सदाबहार गानों में की जाती है। आज भी लोग इसे सुनना और इस पर डांस करना पसंद करते हैं।

अलग-अलग भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेरा

नई दिल्ली। भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले अब हमारे बीच नहीं रहीं, लेकिन उनकी आवाज आज भी हर भाषा, हर सुर और हर दिल में जिंदा है। उन्होंने अपने लंबे करियर में 20 से ज्यादा भारतीय और विदेशी भाषाओं में 12,000 से अधिक गाने गाए, जो अपने आप में एक अनोखा रिकॉर्ड है। इसी असाधारण उपलब्धि के कारण उनका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। आशा भोसले ने सिर्फ हिंदी ही नहीं, बल्कि कई अलग-अलग भाषाओं में अपनी आवाज का जादू बिखेरा। हिंदी भाषा में उनके गाए 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'ये मेरा दिल' और 'चुरा लिया है तुमने' जैसे गाने आज भी हर पीढ़ी के बीच लोकप्रिय हैं। इन गानों में उनकी एनर्जी और अलग अंदाज साफ झलकता है। मराठी भाषा, जो उनकी मातृभाषा भी रही, उसमें भी आशा भोसले ने कई यादगार गीत गाए। 'बुगडी माझी सांडली' और 'माझ्या भावाला' जैसे गानों ने उनको नई पहचान देने का काम किया।

बंगाली भाषा में भी उनका योगदान कम नहीं रहा। 'चोखे चोखे कोथा बोलो' और 'गुंजने डोले जे भ्रमर' जैसे गीतों ने उन्हें बंगाली संगीत प्रेमियों के बीच खास जगह दिलाई। इन गानों में उन्होंने जिस तरह से शब्दों की भावना को पकड़ा, वह उनकी बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाता है। दक्षिण भारतीय भाषाओं में भी आशा भोसले का जादू खूब चला। तमिल में उन्होंने 'वेन्निला वेन्निला' और 'नी पार्था पारवाई' जैसे गीत गाए। वहीं, तेलुगु और मलयालम में भी उन्होंने कई फिल्मों के लिए गाने रिकॉर्ड किए और अपनी अलग पहचान बनाई। उनकी आवाज हर भाषा में इतनी सहज थी कि ऐसा महसूस ही नहीं होता था कि वह उस भाषा की मूल गायिका नहीं हैं।

हड्डियों को मजबूत बनाती है जंगल जलेबी

■ आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर ■ पेट की समस्याओं, बुखार और त्वचा में इस्तेमाल

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। मीठी-मीठी मिठाई जलेबी तो आपने खूब खाई होगी। लेकिन पौष्टिक तत्वों से भरपूर पेड़ों पर फलने वाली जंगल जलेबी के बारे में शायद ही सुना हो। इस अनोखे फल का आयुर्वेद में खासा स्थान है। इसका स्वाद मीठे-खट्टे का मिश्रण है, जो सेहत के लिए किसी अमृत से कम नहीं है।

आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर यह फल इम्युनिटी बढ़ाने, पाचन सुधारने और हड्डियों को मजबूत बनाने में खासा मददगार है। जंगल जलेबी का वैज्ञानिक नाम पीथेसेलोबियम डल्स है। इसे मनीला तमरिंद या मद्रास थॉर्न के नाम से भी जाना जाता है। यह एक मध्यम आकार का सदाबहार पेड़ है, जिसकी फलियां मुड़ी हुई और जलेबी की तरह दिखती हैं। पकने पर ये फलियां लाल या गुलाबी रंग की हो जाती हैं। अंदर सफेद गूदेदार पल्प होता है, जिसमें मीठा-खट्टा स्वाद होता है। एक फली में करीब 10 बीज होते हैं। यह फल पौष्टिक तत्वों का खजाना है। इसमें आयरन की अच्छी मात्रा होती है, जो एनीमिया से बचाता है और एनर्जी बढ़ाता है।

कैल्शियम और फॉस्फोरस हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं। विटामिन सी से भरपूर होने के कारण यह इम्युनिटी बूस्ट करता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। एंटीऑक्सीडेंट्स (फ्लेवोनॉयड्स, पॉलीफेनॉल्स) शरीर में ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस कम करते हैं, सूजन घटाते हैं और उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं।

पाचन की दृष्टि से भी यह फल बेहद उपयोगी है। इसमें डाइटरी फाइबर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जो कब्ज दूर करता है, आंतों को स्वस्थ रखता है और पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है। कई अध्ययनों में इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-माइक्रोबियल और ब्लड डायबिटीज नियंत्रित करने वाले गुण भी पाए गए हैं।

पारंपरिक चिकित्सा में इसका इस्तेमाल पेट की समस्याओं, बुखार और त्वचा संबंधी परेशानियों में किया जाता है। इसके अलावा, कांटेदार होने के कारण यह पेड़ फेंसिंग और बाड़ के रूप में भी उपयोगी है। यह तेजी से बढ़ता है और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने में भी मदद करता है। गर्मियों में सड़क किनारे या बाजार में आसानी से उपलब्ध यह फल बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के लिए फायदेमंद है।

खास बात है कि इसे कच्चा खाया जा सकता है या जूस बनाकर पिया जा सकता है। हालांकि, ज्यादा मात्रा में सेवन से पहले डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होता है।

रीढ़ की हड्डी मजबूत करने में कारगर है उपविष्ठ कोणासन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। योग स्वस्थ जीवनशैली का जरूरी हिस्सा है। यह शरीर को फिट रखने के साथ-साथ मानसिक संतुलन बनाए रखने में भी मदद करता है। खासतौर पर हठ योग के कुछ आसन ऐसे हैं, जो शरीर के कई हिस्सों पर एक साथ काम करते हैं। इन्हीं में से एक है उपविष्ठ कोणासन।

यह आसन देखने में सरल लग सकता है, लेकिन इसे सही तरीके से करना बेहद जरूरी है, तभी इसके पूरे लाभ मिल पाते हैं। उपविष्ठ कोणासन का अभ्यास शुरू करने के लिए सबसे पहले जमीन पर सीधा बैठ जाएं और पैरों को सामने की ओर फैलाएं। इसके बाद धीरे-धीरे दोनों पैरों को जितना आराम से हो सके, उतना चौड़ा करें। सांस को नियंत्रित रखते हुए शरीर को आगे की ओर झुकाएं। इस दौरान पीठ को सीधा रखने की कोशिश करें और हाथों को आगे बढ़ाकर पैरों की ओर ले जाएं। इस मुद्रा में कुछ समय रुककर सामान्य सांस लेते रहें और फिर धीरे-धीरे वापस सामान्य स्थिति में आ जाएं।

फायदों की बात करें तो यह आसन सबसे पहले शरीर की मांसपेशियों पर असर डालता है। जब हम पैरों को फैलाकर आगे झुकते हैं, तो जांघों, हैमस्ट्रिंग और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव आता है।

संपादक की कलम से

व्यवस्था का आईना, फाइलों में दौड़ता विकास और जमीन पर जूझती जनता

दबाव में बनी नीति कागज पर तो चमकी, पर जमीन पर आते ही लड़खड़ा गई। नोएडा में औद्योगिक भूखंडों पर वाहन शोरूम और रिहायशी प्लाटों पर गेस्ट हाउस के लिए मिश्रित भू-उपयोग नीति को संशोधित कर लागू तो किया गया, लेकिन शर्तों ने ही उसकी रफ्तार रोक दी। 2015-18 में जब यह नीति पहली बार आई थी, तब वाणिज्यिक और औद्योगिक दर के अंतर का दस फीसद जमा कर अनुमति मिल जाती थी। तब भी यह रकम इतनी भारी लगी कि मुश्किल से दस फीसद शोरूम ही आगे आए, वो भी तब जब भुगतान पांच साल में किस्तों में करने की राहत थी। अब संशोधन के नाम पर राहत और सिकुड़ गई है। शुल्क दस से बढ़ाकर पच्चीस फीसद कर दिया गया और किस्तों की सुविधा भी खत्म कर दी गई, यानी पूरी राशि एकमुश्त। नतीजा यह कि नीति लागू तो है, लेकिन आवेदन करने वालों की कतार शायद कागजों में ही लंबी रहेगी।

राजधानी होने के कारण दिल्ली में विकास का जिम्मा केंद्र से लेकर नगर निकाय तक फैला है और उसमें दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति की भूमिका हमेशा अहम मानी जाती रही है। लेकिन हाल ही में इसे समय से पहले भंग कर दिया गया और अब बहस इस बात पर नहीं कि काम रुकेगा या नहीं, बल्कि इस पर है कि क्यों रोका गया। सत्ता पक्ष का कहना है कि विपक्ष बेवजह और भ्रामक आरोप लगा रहा है, क्योंकि नियम के मुताबिक एक साल पूरा होने पर 50 फीसद सदस्य स्वतः रिटायर हो जाते हैं। वहीं विपक्ष इसे भ्रष्टाचार को ढकने और पार्षदों की शक्तियां सीमित करने की साजिश बता रहा है। दोनों अपने-अपने सच के साथ अड़े हैं। लेकिन इन दावों की गहमागहमी के बीच एक सच चुपचाप खड़ा है। स्थायी समिति के बिना दिल्ली के विकास कार्यों की गति वैसे ही थम सी जाती है, जैसे कागज पर मंजूरी हो लेकिन फाइल आगे बढ़ने का रास्ता भूल जाए।

दिल्ली की सार्वजनिक बस सेवा वैसे ही कभी डिपो बंद होने, कभी सड़कों से गायब रहने, कभी बस का नाम देवी रखने और कभी मार्ग बदलने जैसे कारणों से चर्चा में रहती है। इस बार चर्चा मार्ग संख्या के आगे 'ए' 'बी' 'सी' लगाने को लेकर शुरू हो गई। कागज पर यह व्यवस्था बदले हुए मार्गों और तय गंतव्य तक पहुंचाने के लिए बताई जा रही है, लेकिन असल में ये अक्षर यात्रियों को यह समझाने का संकेत हैं कि बस शायद पूरा मार्ग नहीं चलेगी, बीच में ही दिशा बदल लेगी या लौट जाएगी। यानी सुविधा कम, संकेत अधिक। इससे यात्रियों की उलझन बढ़ गई है और जेब पर भी असर पड़ रहा है, क्योंकि एक ही मार्ग के हिस्से में दोबारा सफर के लिए अलग खर्च करना पड़ रहा है। यात्रियों की सीधी सी मांग है, अगर बस मार्ग पर चलती है, तो पूरा चले, अक्षरों के सहारे आधा सफर न समझाया जाए।

जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब भाजपा गली-मोहल्लों में खुले शराब ठेकों को लेकर सड़कों पर उतर आई थी। खूब हंगामा हुआ, खूब आरोप-प्रत्यारोप चले। अब तस्वीर पलटी है तो बहस का केंद्र भी बदल गया है। अब सोशल मीडिया पर 'डूडर' यानी अफीम जैसे नशे के वीडियो छाए हुए हैं, जिनमें छोटे बच्चों तक को हथियारों के साथ झूमते हुए दिखाया जा रहा है। आप इसे मुद्दा बनाकर मौजूदा सरकार पर सवाल उठा रही है, जबकि भाजपा इसे विपक्ष की साजिश और डर फैलाने की कोशिश बता रही है। दोनों तरफ अपने-अपने तर्क हैं और दोनों तरफ अपनी-अपनी राजनीति। लेकिन इन आरोपों और बचाव के बीच जो सबसे असहज सच बच जाता है, वह यह है कि नशे की तस्वीर चाहे शराब की हो या किसी और पदार्थ की..उसमें सबसे पहले भविष्य धुंधला होता है और सबसे ज्यादा नुकसान उसी पीढ़ी का होता है जिसे बचाने के दावे सबसे ज्यादा किए जाते हैं।

मुख्यमंत्री को अपनी पीड़ा सुनाने के लिए शालीमार बाग के लोग अब सोशल मीडिया का सहारा लेने को मजबूर हो गए हैं। वीडियो की बाढ़ है। किसी में टूटता आशियाना है, तो किसी में आंखों में सवाल। सबसे ज्यादा दर्द उन परिवारों का दिख रहा है जिनके मकानों को अनधिकृत बताकर गिरा दिया गया। महिलाएं बार-बार वही सवाल दोहरा रही हैं. जहां झुग्गी, वहीं मकान का वादा था, सबको घर मिलेगा, किसी का नहीं टूटेगा तो फिर वोट लेने के बाद उनकी आवाज क्यों अनसुनी रह गई? इधर राजनीति भी अपने मौके तलाश रही है। विपक्षी दल सोशल मीडिया पर इन वीडियो को तेजी से आगे बढ़ाकर सरकार को घेरने में जुटे हैं। आप और कांग्रेस इसे जनता का दर्द बता रहे हैं, जबकि सत्ता पक्ष इसे राजनीति का नया मंच मान रहा है और इस पूरे शोर में एक बात साफ है..दर्द असली है, बस उसके ऊपर हर कोई अपनी-अपनी राजनीति की परत चढ़ाने में लगा है।

परिवहन विभाग इन दिनों बड़े स्तर पर स्कूल बसों को दुरुस्त करने का अभियान चला रहा है। शासन की तय डेडलाइन 15 अप्रैल तक सभी बसों को मानकों के अनुसार ठीक करने का लक्ष्य रखा गया है और साफ संकेत है कि लापरवाही पर अधिकारियों पर कार्रवाई तय मानी जा रही है। इसी सख्ती का असर यह हुआ है कि कुछ ऐसे अधिकारी, जो लंबे समय से फील्ड में नजर ही नहीं आए थे, उनकी भी अब स्कूलों में ड्यूटी लगा दी गई है। विभाग के भीतर यह चर्चा आम है कि अचानक फाइलों से निकलकर जमीन पर उतरने की मजबूरी बन गई है। बताया जाता है कि उनके अधीनस्थ कर्मचारी भी हल्के-फुल्के अंदाज में कहते हैं कि साहब अब काम के बोझ से जल्दी थक जाते हैं और जल्दी सो भी जाते हैं। पहले नोएडा में रहते हुए इतना काम कभी नहीं दिखा, लेकिन अब कुर्सी बचानी है तो सक्रिय होना ही पड़ रहा है और दबी जुबान में यह भी चर्चा है कि 15 अप्रैल के बाद साहब किसी लंबी छुट्टी की तैयारी में हैं, क्योंकि अभियान खत्म होते ही थकान भी अपने चरम पर पहुंचने की उम्मीद है।

दिल्ली पुलिस ने एक उप-निरीक्षक और एक सहायक उप-निरीक्षक को निलंबित कर विधानसभा परिसर में तेज रफ्तार कार के अवरोधक तोड़कर घुसने के मामले को फिलहाल औपचारिक रूप से निपटा दिया है। लेकिन इस घटना ने विधानसभा की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विधानसभा में इस समय आम व्यक्ति का प्रवेश लगभग असंभव जैसा माना जाता है। प्रवेश द्वार पर तैनात भारी पुलिस बल और सख्त जांच व्यवस्था के बीच पहले से ही यह स्पष्ट हो जाता है कि बिना अनुमति कोई आगे नहीं बढ़ सकता। यहां तक कि विशिष्ट व्यक्तियों के आगमन पर भी पहले से नाम दर्ज होना अनिवार्य होता है। ऐसे में एक तेज रफ्तार कार का बैरियर तोड़कर अंदर प्रवेश करना और कुछ समय बाद बाहर निकल जाना व्यवस्था की चूक को उजागर करता है। हालांकि दो पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई कर जिम्मेदारी तय करने की कोशिश की गई है, लेकिन यह घटना सुरक्षा तंत्र की परतों पर सवाल जरूर छोड़ गई है।

भारत के संविधान निर्माता : डॉ. भीमराव अंबेडकर

महेन्द्र तिवारी

इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भीमराव ने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। 1907 में उन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। यह उस युग में किसी दलित के लिए एक असाधारण उपलब्धि थी। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की, जिससे वे 1913 में उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जा सके। कोलंबिया विश्वविद्यालय में उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और फिर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनका शोध प्रबंध ब्रिटिश भारत में प्रान्तीय वित्त का विकास अत्यंत उल्लेखनीय था। इसके पश्चात वे लंदन गए जहाँ उन्होंने ग्रेज इन से बैरिस्टर की उपाधि और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की। अपने जीवन में उन्होंने कुल 32 से अधिक उपाधियाँ और डिग्रियाँ अर्जित कीं, जो उन्हें विश्व के सर्वाधिक शिक्षित व्यक्तियों में से एक बनाती हैं।

14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू नामक सैन्य छावनी में जन्मे डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर भारतीय इतिहास के उन विरले महापुरुषों में से हैं जिन्होंने अपने जीवनकाल में अनगिनत संघर्षों का सामना करते हुए एक ऐसी विरासत छोड़ी, जो आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरणा देती है। उनके पिता रामजी मालोजी सकपाल ब्रिटिश भारतीय सेना में सूबेदार के पद पर थे और वे स्वयं महार जाति से संबंध रखते थे, जिसे तत्कालीन समाज में अछूत माना जाता था। परिवार में 14 भाई-बहनों में से भीमराव सबसे छोटे थे। जाति-आधारित भेदभाव की पीड़ा उन्होंने बचपन से ही झेली, जब विद्यालय में उन्हें अन्य बच्चों के साथ बैठने तक की अनुमति नहीं थी और अध्यापक भी उनकी कापियाँ छूने से परहेज करते थे।

इन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद भीमराव ने शिक्षा को अपना हथियार बनाया। 1907 में उन्होंने मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और मुंबई के एलफिंस्टन कॉलेज में प्रवेश लिया। यह उस युग में किसी दलित के लिए एक असाधारण उपलब्धि थी। बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ तृतीय ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की, जिससे वे 1913 में उच्च शिक्षा के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका जा सके। कोलंबिया विश्वविद्यालय में उन्होंने अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और फिर पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। उनका शोध प्रबंध ब्रिटिश भारत में प्रान्तीय वित्त का विकास अत्यंत उल्लेखनीय था। इसके पश्चात वे लंदन गए जहाँ उन्होंने ग्रेज इन से बैरिस्टर की उपाधि और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से डॉक्टर ऑफ साइंस की डिग्री प्राप्त की। अपने जीवन में उन्होंने कुल 32 से अधिक उपाधियाँ और डिग्रियाँ अर्जित कीं, जो उन्हें विश्व के सर्वाधिक शिक्षित व्यक्तियों में से एक बनाती हैं।

शिक्षा पूरी करके भारत लौटने के बाद भी अंबेडकर को सामाजिक भेदभाव का कड़वा अनुभव होता रहा। बड़ौदा दरबार में नौकरी के दौरान उन्हें किसी हिंदू कर्मचारी ने फाइलें देने से मना कर दिया और धर्मशाला में ठहरने की जगह न मिलने पर एक पारसी सराय में शरण लेनी पड़ी। इन अनुभवों ने उनके भीतर यह विश्वास और भी पक्का कर दिया कि जाति-व्यवस्था का उन्मूलन किए बिना भारत का कोई भविष्य नहीं है। 1920 में उन्होंने मूकनायक नामक पाक्षिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया, जो दलित आवाज का पहला संगठित मंच बनी। इसके बाद 1927 में बहिष्कृत भारत और 1930 में जनता जैसे प्रकाशनों के माध्यम से उन्होंने जन-जागरण का अभियान चलाया।

1927 का महाड़ सत्याग्रह उनके नेतृत्व की एक ऐतिहासिक घटना थी। महाराष्ट्र के महाड़ में चवदार तालाब से पानी पीने के अधिकार के लिए उन्होंने हजारों अनुयायियों के साथ सत्याग्रह किया। सार्वजनिक जल स्रोतों तक दलितों की पहुँच को इस संघर्ष ने एक नई दिशा दी। उसी वर्ष उन्होंने मनुस्मृति का सार्वजनिक दहन कर यह घोषणा की कि वे किसी भी ऐसी व्यवस्था को स्वीकार नहीं करेंगे जो जन्म के आधार पर मनुष्य को हीन ठहराती हो। 1930 में नासिक के कालाराम मंदिर में दलितों के प्रवेश के लिए उन्होंने 5 वर्षों तक संघर्ष चलाया।

महात्मा गांधी और डॉ. अंबेडकर के बीच का वैचारिक संघर्ष भारतीय इतिहास का एक महत्वपूर्ण अध्याय है। 1932 में ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैम्जे मैकडॉनाल्ड ने सांप्रदायिक निर्णय के अंतर्गत दलितों के लिए पृथक निर्वाचन मंडल की घोषणा की थी। गांधीजी ने इसके विरोध में आमरण अनशन आरंभ किया। अंततः 24 सितंबर 1932 को पुणे की यरवदा जेल में पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर हुए, जिसके तहत पृथक निर्वाचन मंडल के स्थान पर संयुक्त निर्वाचन मंडल में दलितों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या 71 से बढ़ाकर 148 कर दी गई। इस समझौते को अंबेडकर ने अपनी विवशता में स्वीकार किया, परंतु जीवन भर उन्होंने माना कि दलितों को पृथक राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए था।

राजनीतिक क्षेत्र में डॉ. अंबेडकर की भूमिका उतनी ही प्रभावशाली रही। 1936 में उन्होंने स्वतंत्र मजदूर पार्टी की स्थापना की और 1937 के प्रांतीय चुनावों में इस दल ने बंबई विधानसभा की 17 में से 15 सीटें जीतीं। 1942 में वे वायसराय की कार्यकारी परिषद के सदस्य बनाए गए, जहाँ उन्होंने श्रम विभाग का कार्यभार संभाला। इस दौरान उन्होंने कारखाना अधिनियम, खान अधिनियम और श्रम कल्याण से संबंधित अनेक महत्वपूर्ण सुधार किए। 8 घंटे का कार्य दिवस निर्धारित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

स्वतंत्र भारत के निर्माण में डॉ. अंबेडकर का सर्वाधिक ऐतिहासिक योगदान रहा संविधान की रचना में। 29 अगस्त 1947 को संविधान सभा ने उन्हें प्रारूप समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया। इस समिति ने लगभग 2 वर्ष 11 माह और 18 दिनों में 60 से अधिक देशों के संविधानों का अध्ययन करते हुए भारतीय संविधान का मसौदा तैयार किया। यह संविधान 26 नवंबर 1949 को अंगीकृत किया गया और 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ। इसमें 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ और 22 भाग थे। डॉ. अंबेडकर ने सुनिश्चित किया कि संविधान में मौलिक अधिकार, नीति-निदेशक तत्व, सामाजिक न्याय और समता के सिद्धांत पर्याप्त रूप से स्थापित हों। अनुच्छेद 17 के अंतर्गत अस्पृश्यता का उन्मूलन, अनुच्छेद 14 के अंतर्गत कानून के समक्ष समानता और अनुच्छेद 15 के अंतर्गत धर्म, मूल वंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध इसी दूरदर्शिता के प्रतिफल हैं।

स्वतंत्र भारत की पहली सरकार में डॉ. अंबेडकर को विधि मंत्री बनाया गया। इस पद पर रहते हुए उन्होंने हिंदू कोड बिल प्रस्तुत किया, जिसमें विवाह, तलाक, उत्तराधिकार और गोद लेने जैसे विषयों में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार दिए जाने का प्रस्ताव था। परंतु संसद में इस बिल का तीव्र विरोध हुआ और सरकार के भीतर भी इसे समर्थन नहीं मिला। इससे क्षुब्ध होकर डॉ. अंबेडकर ने 1951 में विधि मंत्री पद से त्यागपत्र दे दिया। यह उनके जीवन की एक बड़ी राजनीतिक पराजय थी, किंतु इसके बाद भी वे सामाजिक न्याय की लड़ाई से पीछे नहीं हटे।

डॉ. अंबेडकर की बौद्धिक विरासत उनके विपुल साहित्य में संजोई हुई है। जाति का विनाश (1936) उनकी सर्वाधिक चर्चित रचना है जिसमें उन्होंने जाति-व्यवस्था की जड़ों पर गहरा प्रहार किया। बुद्ध और उनका धम्म उनकी अंतिम और सर्वाधिक व्यक्तिगत कृति है। इसके अलावा पाकिस्तान और भारत का विभाजन, शूद्र कौन थे, अछूत कौन थे, रुपए की समस्या, भारत में जातियाँ जैसे अनेक ग्रंथ उनकी दार्शनिक, आर्थिक और सामाजिक सोच की गहराई को प्रकट करते हैं। वे केवल दलितों के नेता नहीं, बल्कि एक समग्र विचारक थे जिनकी अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र, इतिहास और धर्म पर समान पकड़ थी।

14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में आयोजित एक विशाल समारोह में डॉ. अंबेडकर ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया। यह उनके जीवन का एक अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय था। उनके साथ उस दिन लगभग 5 लाख अनुयायियों ने भी बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। यह धर्मांतरण उनके लिए केवल धार्मिक परिवर्तन नहीं, बल्कि एक सामाजिक और मानवीय क्रांति का प्रतीक था। उन्होंने कहा था कि वे हिंदू के रूप में जन्मे, परंतु हिंदू के रूप में नहीं मरेंगे। उन्हें बौद्ध धर्म में वह समतावादी आधार मिला जिसकी वे तलाश कर रहे थे। इस घटना को धम्म क्रांति कहा जाता है और इसके बाद देश भर में लाखों दलितों ने बौद्ध धर्म की शरण ली।

6 दिसंबर 1956 को दिल्ली में अपने निवास पर डॉ. अंबेडकर का निधन हो गया। तब उनकी आयु 65 वर्ष थी और वे मधुमेह सहित कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे। उनके निधन की सूचना मिलते ही पूरे देश में शोक की लहर फैल गई। मुंबई में उनका बौद्ध रीति से अंतिम संस्कार किया गया और अनुमानतः 15 लाख से अधिक लोग उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए। उनकी समाधि मुंबई के दादर स्थित चैत्यभूमि में है, जो आज भी लाखों श्रद्धालुओं के लिए तीर्थस्थल है।

1990 में भारत सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से विभूषित किया। 14 अप्रैल उनके जन्मदिन को अंबेडकर जयंती के रूप में राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया गया है। संसद भवन में उनकी तैलचित्र स्थापित है और देश के सैकड़ों विश्वविद्यालय, संस्थान, सड़कें और चौराहे उनके नाम पर हैं। 2015 में भारत सरकार ने लंदन में उनके उस घर को क्रय किया जहाँ वे पढ़ाई के दौरान रहते थे और उसे डॉ. अंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक के रूप में विकसित किया।

डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन इस बात का प्रमाण है कि विपरीत से विपरीत परिस्थितियों में भी ज्ञान, संकल्प और करुणा के बल पर मनुष्य असाधारण ऊँचाइयों को छू सकता है। वे न केवल करोड़ों दलितों के मसीहा थे, बल्कि स्वतंत्र भारत की संवैधानिक आत्मा के निर्माता भी थे। उन्होंने एक ऐसे भारत का स्वप्न देखा जहाँ हर नागरिक को उसकी जाति, धर्म या जन्म से नहीं, बल्कि उसकी मानवीय गरिमा से पहचाना जाए। उनके विचार और उनका संघर्ष आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने उनके जीवनकाल में थे। जब तक भारत में सामाजिक न्याय और समता की आकांक्षा जीवित है, डॉ. अंबेडकर की स्मृति अमर रहेगी।

नोएडा में भड़का श्रमिक आंदोलन

संजय सक्सेना

दिल्ली से सटे औद्योगिक शहर नोएडा के औद्योगिक इलाकों में पिछले एक सप्ताह से सुलग रहा मजदूरों का असंतोष सोमवार को उस समय उग्र हो गया, जब फेज-2 औद्योगिक क्षेत्र में हजारों मजदूरों ने एक साथ काम का बहिष्कार कर दिया और फैक्ट्रियों के बाहर धरना शुरू कर दिया। सुबह से ही गेटों पर भीड़ जमा होने लगी और धीरे-धीरे यह विरोध प्रदर्शन कई औद्योगिक इकाइयों में फैल गया। हालात इतने बिगड़ गए कि पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े और कई इलाकों में यातायात घंटों तक बाधित रहा। आंदोलन की शुरुआत एक-दो फैक्ट्रियों में वेतन वृद्धि की मांग से हुई थी, लेकिन धीरे-धीरे यह मांग पूरे औद्योगिक क्षेत्र में फैल गई। मजदूरों का कहना है कि वे रोजाना 10 से 12 घंटे तक काम करते हैं, लेकिन इसके बदले उन्हें औसतन 12,500 से 13,500 रुपये के बीच वेतन मिलता है। कई श्रमिकों का दावा है कि ओवरटाइम का भुगतान भी तय नियमों के अनुसार नहीं होता, जिससे उनकी आय और कम हो जाती है।

श्रमिकों का कहना था महंगाई का बढ़ता दबाव इस असंतोष का सबसे बड़ा कारण बन गया है। पिछले दो वर्षों में रसोई गैस की कीमत, किराया, बच्चों की स्कूल फीस और रोजमर्रा की जरूरतों का खर्च तेजी से बढ़ा है। यदि एक औसत मजदूर परिवार का मासिक खर्च 16,000 से 18,000 रुपये तक पहुंच चुका है और आय 13,000 रुपये के आसपास ही है, तो यह अंतर सीधे आर्थिक संकट में बदल जाता है। यही वजह है कि मजदूर अब वेतन वृद्धि को एक विकल्प नहीं, बल्कि मजबूरी मानने लगे हैं।इस पूरे विवाद की सबसे अहम कड़ी पड़ोसी राज्य हरियाणा का वह फैसला है, जिसने न्यूनतम मजदूरी में करीब 35 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर दी। यह वृद्धि 1 अप्रैल से लागू की गई और 11 अप्रैल से इसका असर स्पष्ट रूप से सामने आने लगा। नए वेतनमान के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,274 रुपये से बढ़ाकर 15,220 रुपये कर दिया गया। इसी तरह अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12,430 रुपये से बढ़ाकर 16,780 रुपये किया गया, जबकि कुशल श्रमिकों का वेतन लगभग 13,704 रुपये से बढ़कर 18,500 रुपये तक पहुंच गया। उच्च कुशल श्रमिकों का वेतन 14,389 रुपये से बढ़ाकर 19,425 रुपये कर दिया गया।

इन आंकड़ों ने नोएडा के औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के बीच एक नई तुलना पैदा कर दी है। उनका कहना है कि जब समान प्रकार का काम करने वाले श्रमिकों को हरियाणा में 15 से 19 हजार रुपये तक वेतन मिल सकता है, तो नोएडा में वही काम करने वालों को 13 हजार रुपये के आसपास क्यों मिल रहा है। यही सवाल अब आंदोलन का सबसे बड़ा आधार बन गया है।यदि अलग-अलग राज्यों के न्यूनतम वेतन की तुलना की जाए, तो यह असमानता और स्पष्ट दिखाई देती है। उत्तर प्रदेश में अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन लगभग 11,313 रुपये के आसपास है, जबकि अर्धकुशल श्रमिकों को करीब 12,120 रुपये और कुशल श्रमिकों को लगभग 13,940 रुपये मिलते हैं। इसके विपरीत दिल्ली में अकुशल श्रमिकों का न्यूनतम वेतन करीब 19,800 रुपये तक पहुंच चुका है। यानी एक ही भौगोलिक क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों के बीच 6,000 से 8,000 रुपये तक का अंतर मौजूद है। यही अंतर अब औद्योगिक तनाव का कारण बन रहा है।

गौरतलब है नोएडा का औद्योगिक ढांचा देश के सबसे बड़े उत्पादन नेटवर्क में शामिल है। यहां हजारों छोटी, मध्यम और बड़ी औद्योगिक इकाइयां संचालित होती हैं। कपड़ा, होजरी, ऑटोमोबाइल पार्ट्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और निर्यात से जुड़े उद्योग यहां बड़ी संख्या में मौजूद हैं। अनुमान है कि केवल फेज-2 क्षेत्र में ही लाखों मजदूर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार से जुड़े हुए हैं। ऐसे में यदि कामकाज लंबे समय तक ठप रहता है, तो इसका असर न केवल स्थानीय उत्पादन पर पड़ेगा, बल्कि निर्यात ऑर्डर भी प्रभावित होंगे।सोमवार को हालात उस समय और बिगड़ गए, जब कुछ स्थानों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया। गुस्साए मजदूरों ने कुछ वाहनों को नुकसान पहुंचाया और कई औद्योगिक मार्गों पर जाम लगा दिया। इससे माल ढुलाई का काम प्रभावित हुआ और कई कंपनियों को उत्पादन रोकना पड़ा। उद्योग जगत के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक बन गई है, क्योंकि एक दिन का उत्पादन रुकना भी लाखों रुपये के नुकसान में बदल सकता है।

मजदूरों की मांगों की सूची भी अब स्पष्ट रूप से सामने आ चुकी है। उनकी सबसे प्रमुख मांग है कि न्यूनतम वेतन 20,000 रुपये प्रति माह किया जाए। इसके अलावा बैंक खाते में समय पर बोनस भुगतान, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, किसी भी कर्मचारी को बिना कारण नौकरी से न निकालने की गारंटी और साप्ताहिक अवकाश सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है। कई श्रमिकों का कहना है कि यदि रविवार को काम कराया जाता है, तो उसका दोगुना भुगतान मिलना चाहिए, जो अक्सर नहीं दिया जाता।इस आंदोलन ने प्रशासन के सामने भी बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। एक ओर कानून-व्यवस्था बनाए रखना जरूरी है, तो दूसरी ओर उद्योगों और मजदूरों के बीच संतुलन कायम करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। श्रम विभाग के अधिकारी लगातार कंपनियों और श्रमिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई स्थायी समाधान सामने नहीं आ सका है।

आर्थिक दृष्टि से देखें तो यह विवाद केवल वेतन वृद्धि का मामला नहीं है, बल्कि यह राज्यों के बीच बढ़ती आर्थिक असमानता का परिणाम भी है। यदि एक राज्य में मजदूरी अधिक और दूसरे में कम है, तो उद्योग लागत कम रखने के लिए कम मजदूरी वाले क्षेत्रों में उत्पादन बढ़ाने की कोशिश करते हैं। दूसरी ओर मजदूर बेहतर वेतन पाने के लिए अधिक मजदूरी वाले क्षेत्रों की ओर पलायन करते हैं। इससे श्रम बाजार में अस्थिरता बढ़ती है और औद्योगिक विवादों की संभावना भी बढ़ जाती है।महंगाई का प्रभाव इस पूरे विवाद में सबसे प्रमुख कारक के रूप में सामने आया है। पिछले कुछ वर्षों में खाद्य पदार्थों की कीमतों में लगातार वृद्धि हुई है। गैस सिलेंडर, परिवहन और किराये की लागत में भी लगातार बढ़ोतरी हुई है। यदि एक औसत मजदूर परिवार का मासिक खर्च 17,000 रुपये तक पहुंच चुका है, तो 13,000 रुपये के वेतन में गुजारा करना लगभग असंभव हो जाता है। यही कारण है कि मजदूर अब वेतन वृद्धि को अपने जीवन स्तर से जोड़कर देख रहे हैं।

यह पूरा घटनाक्रम एक बड़े नीति संबंधी सवाल को भी जन्म देता है क्या देश में न्यूनतम मजदूरी की एक समान राष्ट्रीय नीति होनी चाहिए। वर्तमान व्यवस्था में अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग दरें लागू हैं, जिससे मजदूरी में बड़ा अंतर पैदा होता है। यदि राष्ट्रीय स्तर पर एक समान न्यूनतम वेतन का ढांचा तैयार किया जाए, तो राज्यों के बीच असमानता कम हो सकती है और श्रमिकों के बीच असंतोष भी घट सकता है।नोएडा में जारी यह आंदोलन आने वाले समय में श्रम नीति और औद्योगिक व्यवस्था के लिए एक महत्वपूर्ण संकेत बन सकता है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकाला गया, तो इसका असर केवल एक शहर तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में भी इसी तरह की स्थितियां पैदा हो सकती हैं। उत्पादन में गिरावट, निर्यात में कमी और रोजगार के अवसरों में कमी जैसे परिणाम सामने आ सकते हैं।फिलहाल नोएडा के औद्योगिक गलियारों में खामोशी पड़ी मशीनें और सड़कों पर जमा भीड़ इस बात का संकेत दे रही हैं कि यह संघर्ष केवल वेतन का नहीं, बल्कि जीवन स्तर और सम्मान से जुड़ी एक बड़ी लड़ाई बन चुका है। आने वाले दिनों में प्रशासन, उद्योग और श्रमिकों के बीच होने वाली बातचीत ही तय करेगी कि यह विवाद शांत होगा या और व्यापक रूप लेगा।

अमिट है कर्म का फल

यदि कर्म का फल तुरंत नहीं मिलता है तो यह नहीं समझना चाहिए कि उसके भले-बुरे परिणाम से हम सदा के लिए बच गये। कर्मफल ऐसा अमिट तथ्य है जो आज नहीं तो कल भुगतना ही पड़ेगा। कभी-कभी परिणाम में देर इसलिए होती है क्योंकि ईश्वर मानवीय बुद्धि की परीक्षा चाहता है कि व्यक्ति कर्त्तव्य धर्म समझने और निष्ठापूर्वक पालन करने लायक विवेक बुद्धि संचय कर सका है या नहीं। जो दंड भय बिना सदा सत्कर्मो तक सीमित रहता है, समझना चाहिए उसने सज्जनता की परीक्षा पास कर पशुता से देवत्व की ओर बढ़ने का शुभारंभ कर दिया। दंडभय से तो विवेक रहित पशु को भी अवांछनीय मार्ग पर चलने से रोका जा सकता है। मानवीय अंतःकरण की विकसित चेतना तभी अनुभव की जा सकेगी, जब वह कुमार्ग पर चलने से रोक सन्मार्ग के लिए प्रेरणा प्रदान करे।

यदि हर काम का तुरंत दंड मिलता और ईश्वर बलपूर्वक किसी मार्ग पर चलने के लिए विवश करता तो फिर मनुष्य भी पशु-श्रेणी में होता और उसकी स्वतंत्र आत्म चेतना विकसित हुई या नहीं, इसका पता नहीं चलता। ईश्वर या खुदा ने मनुष्य को भले-बुरे कर्म की स्वतंत्रता इसीलिए दी है कि वह विवेक विकसित कर भले-बुरे का अंतर सीख पथ निर्माण में समर्थ हो। विवेक व कर्त्तव्य परायणता दो ही कसौटी हैं मनुष्यता के आत्मिक स्तर विकसित होने की। इस विकास पर ही जीवनोद्देश्य की पूर्ति और मनुष्य जन्म की सफलता निहित है।

यदि ईश्वर को प्रतीत होता कि बुद्धियुक्त मनुष्य पशुओं जैसा ही मूर्ख रहेगा तो शायद उसने उसके लिए भी दंड की व्यवस्था सोची होती। झूठ बोलते ही जीभ में छाले पड़ने, चोरी करते ही हाथ में फोड़ा होने जैसे दंड की तुरत-फुरत व्यवस्था होती तो किसी के लिए भी दुष्कर्म करना संभव न होता लेकिन ऐसे में मनुष्य की स्वतंत्र चेतना, विवेक बुद्धि व आंतरिक महानता विकसित होने का अवसर ही न आता और आत्म विकास के बिना पूर्णता का लक्ष्य पाने की दिशा में प्रगति न होती। अतः परमेर के लिए उचित था कि मनुष्य को अपना सबसे बुद्धिमान और जिम्मेदार बेटा समझ उसे कर्म की स्वतंत्रता प्रदान करे और देखे कि वह मनुष्यता का उत्तरदायित्व संभालने में समर्थ है कि नहीं? वास्तव में परीक्षा के बिना वास्तविकता का पता कैसे चलता और सर्वश्रेष्ठ रचना मनुष्य में कितने श्रम की सार्थकता हुई, यह कैसे अनुभव होता!

कुकिंग गैस वितरण होगा पारदर्शी : एडीएम

■ जिला उद्योग व्यापार मंडल की पहल पर खुलेगी जल एवं विद्युतापूर्ति की हैल्प डेस्क

■ जनहित की समस्याओं पर जिला प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

ललितपुर। एडीएम को ज्ञापन सौंपते व्यापारी नेता।

ललितपुर। सोमवार को जिला उद्योग व्यापार मंडल ने दो महत्वपूर्ण ज्ञापन जिलाधिकारी को संबोधित अपर जिलाधिकारी अंकुर श्रीवास्तव को सोपें। जिनमें बिजली उपभोक्ता की बिना सहमति के प्रीपेड एवं पोस्टपेड विद्युत मीटर नहीं लगाने को, गैस आपूर्ति पारदर्शी बनाने को और शुद्ध व सुचारु पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने की माँग की गयी।

पहले ज्ञापन में 2 अप्रैल 2026 को केंद्रीय ऊर्जा मंत्री माननीय मनोहर लाल खट्टर के सदन में दिये गये वक्तव्य का हवालो देते हुये माँग की कि विद्युत विभाग एवं प्रशासन की नीति के अनुरूप पहले से लगे विद्युत मीटर को चेक मीटर के रूप में छोड़ने को कहा गया। ऐसा न करने पर उपभोक्ताओं की समस्याओं की जानकारी दी गयी। बताया कि विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 47/5 के अनुसार उपभोक्ता के स्वीकृति के बिना प्रीपेड एवं पोस्टपेड मीटर लगाना उचित नहीं है। इस पर एडीएम ने तत्काल बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता के साथ व्यापार मंडल की वार्ता कराई ओर समस्याओं का निदान हेतु एक हैल्पडैस्क खोला जाना तय किया गया जो इलाईट कार्यालय पर खोली जायेगी। बताया गया कि पोस्टपेड की तरह बैलेंस समाप्त होने पर एक माह तक बिजली नहीं काटी जाएगी। नोटिस पर उपभोक्ता को तीन दिन का समय भी दिया जाएगा। दूसरा ज्ञापन गैस आपूर्ति के संबंध में था जिस पर एडीएम ने तुरन्त जिला पूर्ति अधिकारी महोदय से वार्ता कराकर गैस सिलिंडर डिलीवरी वाहनों की संख्या बढ़ाया जाना तय किया गया। अब शादी विवाह में जिला पूर्ति कार्यालय में कार्ड सहित प्रार्थना पत्र देकर कमर्शियल सिलेंडर की पूर्ति संख्या के आधार पर सरलता से की जाएगी। कहा गया कि कमर्शियल सिलिंडर कनेक्शन के लिए दुकानदार एवं होटल ढाबे के व्यवसाई आवेदन कर कनेक्शन अवश्य लें। डीएसओ ने बताया कि 1500 सिक्योरिटी मनी देकर 5 किलो वाला गैस सिलिंडर सर्व सुलभ है, वह गैस एजेंसी से ले सकते हैं। नगर में दूषित जलापूर्ति रोकने की माँग पर जल संस्थान के अधिकारी को निर्देशित किया तुरंत स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति की जाये। अशुद्ध जलापूर्ति की समस्या का शीघ्र समाधान होगा। इस दौरान मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित मनीष सड़ैया, जिलाध्यक्ष सुरेश बडेरा, जिला महामंत्री शैलेंद्र सिंघई, उद्योग मंच प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश सराफ, प्रदेश युवा मंत्री अजय सोनी, प्रदेश संगठन मंत्री राहुल गुप्ता, व्यापारी भामाशाह विनोद कामरा, प्रदेश मंत्री संतोष इमलिया, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष बॉबीराजा, राजू सिंधी, रवीन्द्र दिवाकर, नगर अध्यक्ष नवनीत किलेदार, नगर युवा अध्यक्ष संजय जैन रिंकू, जिला उपाध्यक्ष डॉ संजीव कड़ंकी, जिला मंत्री सुबोध गोस्वामी, जितेंद्र सोनी, संभव सिंघई, राघवेंद्र सिंह, बॉबी सरदार, अशोक सोनी, प्रभात लागोन, कमल सिलगन, शशिकांत दीक्षित, भागचंद पहलवान, रजनीश चड्ढा, मुकेश नेता, आदर्श श्रीवास्तव, आनंदमोहन दुबे, अजय डियोडिया, सुबोध अप्सरा, अशोक सोनी, मगन सोनी, मुरारी सोनी, नितिन अग्रवाल, संचित अग्रवाल, अशोक सोनी, संजीव खरे, मनीष मनपसंद, राजकुमार साहू, पवन दाऊ, शिखर मिर्चवारा, हरविंदर सिंह सलूजा, सुमेर जैन, अभिषेक राजा, प्रसन्न चौबे, पंडित अवधेश नायक, सतनाम भाटिया, जगदीश कुशवाहा, रितेश राठौर, भगवानदास साहू, बबलू पटाखा, अज्जू होजरी, अरविंद गुप्ता, अखिलेश जैन, केशव साहू, योगेंद्र यादव, शिबू शिवाजी, मुकेश जैन आदि उपस्थित रहे।

पेयजल आपूर्ति सुदृढ़ करने की कवायद तेज, कंट्रोल रूम सक्रिय

ललितपुर। भीषण गर्मी और गिरते जलस्तर के बीच जनपद में पेयजल आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। पाइपलाइन द्वारा प्रतिदिन लगभग 45 एमएलडी पानी की आपूर्ति करते हुए शहर के 26 वार्डों में करीब 1.74 लाख लोगों तक पेयजल पहुंचाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त 7 नलकूपों एवं 2 ओपन वेल के माध्यम से लगभग 1 एमएलडी पानी की आपूर्ति कर करीब 5 हजार लोगों को राहत दी जा रही है। जिन ऊंचाई वाले क्षेत्रों या पाइपलाइन विहीन बस्तियों में पानी की समस्या बनी हुई है, वहां विभाग द्वारा टैंकरों से निशुल्क जल आपूर्ति की जा रही है। नगर पालिका द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, कुल लगभग 46 एमएलडी पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। वहीं खराब पड़े 196 हैंडपंपों में से 45 को ठीक कर लिया गया है और शेष की मरम्मत का कार्य प्रगति पर है। वर्तमान में 686 हैंडपंप चालू स्थिति में हैं।पेयजल संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्ट्रेट में 24×7 कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नंबर 05176-272613 और 9454416374 है। इसके माध्यम से नागरिकों से लगातार फीडबैक लिया जा रहा है और समस्याओं का तत्काल निस्तारण किया जा रहा है।जिलाधिकारी के निर्देशन में जल संस्थान द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में नियमित निगरानी और आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि गर्मी के मौसम में किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट न हो, इसके लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं।

निजी विद्यालयों की मनमानी का विरोध : समाजवादी छात्रसभा ने किया प्रदर्शन

राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा

ललितपुर। कलैक्ट्रेट में ज्ञापन सौंपते सपाई।

ललितपुर। प्राइवेट स्कूलों में शिक्षा के नाम पर कमीशनखोरी और व्यापारीकरण के गंभीर आरोप लगाते हुए समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष गौरव विश्वकर्मा के नेतृत्व में जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा गया।

ज्ञापन में जानकारी दी है कि कई निजी विद्यालयों द्वारा तय दुकानों से ही किताबें और अन्य शिक्षण सामग्री खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य किया जाता है, जिससे स्कूल प्रबंधकों को मोटा कमीशन मिलता है। इस पर रोक लगाते हुए संबंधित स्कूल प्रबंधनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाये। छात्रसभा ने यह भी आरोप लगाया कि नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश शुल्क के नाम पर मनमानी वसूली की जाती है, जिसे तत्काल बंद कराया जाए। निजी विद्यालयों में भी सरकारी स्कूलों की तरह एनसीआरटी की पुस्तकों को लागू किया जाये। यह माँग भी की कि स्कूल ड्रेस बिना किसी विशेष दुकान या स्टीकर के निर्धारित हो। इसके अलावा प्रवेश शुल्क, मासिक फीस और परीक्षा शुल्क को मिलाकर अधिकतम 500 रुपये प्रति माह निर्धारित होना चाहिये। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि निजी विद्यालयों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक और मानसिक शोषण बंद नहीं किया गया तो समाजवादी छात्र सभा वृहद स्तर पर आंदोलन करने को बाध्य होगी। इस दौरान ज्योति सिंह लोधी पूर्व जिला अध्यक्ष, मेघनाथ खंगार प्रदेश सचिव, राजकुमारी गौतम महिला सभा जिलाध्यक्ष, अभिलाषा कुशवाहा, जितेंद्र सलूजा प्रदेश सचिव व्यापार सभा, प्रमोद यादव जिला प्रवक्ता, अरशद मंसूरी जिलाध्यक्ष युवजन सभा, राममूर्ति तिवारी मीडिया प्रभारी, रवि खटीक, दीपक सेन, अकीब मंसूरी, शहरोज खान, सुशील रैकवार, विजय प्रजापति, रुचि यादव, मौसम साहू, शुभि यादव, प्रियंका सेन, अभी जैन पंसारी, यागवेन्द्र फौजपुरा आदि मौजूद रहे ।

सराफा व्यापारियों ने एसपी को किया सम्मानित

ललितपुर। सम्मान समारोह में एसपी व व्यापारी नेता।

ललितपुर। सराफा बाजार में सर्राफा एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित एक सम्मान समारोह में सराफा व्यापारियों की समस्याओं के निस्तारण में सहयोग देने पर पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक सहित अनेकों पुलिस अधिकारियों का सम्मान किया गया। व्यापारियों ने पुलिस प्रशासन के प्रतिआभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा की। इस अवसर पर सीओ सदर सुनील कुमार भारद्वाज, थाना प्रभारी सहित घंटाघर चौकी इंचार्ज प्रशान्त राणा एवं अन्य सहयोगी अधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता मनोज कुमार मज्जू सोनी ने की। संचालन उदयचंद्र सराफ ने किया। इस दौरान प्रमुख रूप से मनमोहन जड़िया, प्रभु तामिया, प्रभात सराफ, शिवचरण सोनी, वृंदावन सोनी, मनोज सराफ, बल्ली, संजीव सोनी, मुकेश तामिया, संजय सराफ, सतीश गुप्ता, धर्मेंद्र जड़िया, राज सोनी, जगदीश तामिया, संजय सोनी, देवकीनंदन सोनी, नवल किशोर सोनी, मनोज सराफ, बृजेश लाला, देवेंद्र कौशल, सौरभ टडैया, आशीष टडैया, दीपक अग्रवाल, ओमप्रकाश सोनी, मुन्ना झा, सुशील जड़िया, पप्पू पोद्दार, राकेश, सुनील, लोटन, अर्जुन भोसले सहित अलंकार ज्वेलर्स, अमर ज्वेलर्स आदि प्रतिष्ठानों के व्यापारी मौजूद रहे।

खुशी मित्तल का शानदार योग प्रदर्शन, दो पदक जीते

ललितपुर। मेडल विजेता छात्रा।

ललितपुर। विगत दिवस अयोध्या में आयोजित नेशनल योगासन कॉम्पिटिशन में छात्रा खुशी मित्तल ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए दो पदक अपने नाम कर लिये। देशभर से आए 700 से अधिक प्रतिभागियों के बीच अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए खुशी ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है। योगासन स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में खुशी ने ट्रडिशनल योगासन श्रेणी में रजत पदक तथा आर्टिस्टिक सोलो श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय खुशी ने अपनी कड़ी मेहनत और अपनी कोच राखी सरकार के मार्गदर्शन को दिया। उनकी इस सफलता से विद्यालय सहित पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

न्यूज ब्रीफ

ट्रैक्टर डीलर पर मारपीट कर धमकाने के आरोप, कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज

ललितपुर। महरौनी थाना क्षेत्र के पीड़ित जगदीश सिंह लोधी ने ट्रैक्टर डीलर प्रदीप जैन, प्रशांत जैन, सेल्समैन हरगोविंद और मैनेजर रामपाल पर बीएनएस की धारा 351(3), 352, 115(2) तथा 318(4) के तहत मामला दर्ज कराया है। थाना बानपुर के ग्राम सुनवाहा निवासी जगदीश सिंह लोधी ने बताया कि वह तहसील महरौनी से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह भारत ट्रैक्टर्स शोरूम के सामने पहुंचे, चारों आरोपी एक साथ उनके पास आए। उन्होंने गाली-गलौज शुरू कर दी और मां-बहन वाली भद्दी गालियां दीं। जब जगदीश ने विरोध किया तो आरोपियों ने उन्हें लातों-घूसों से बुरी तरह मारा-पीटा और धमकी दी। कहा कि ट्रैक्टर वापस करने या सुधारने की बात की तो जान से मार देंगे। पीड़ित के चिल्लाने पर मौके पर स्थानीय लोग सहित कई ग्रामीण पहुंच गए, जिन्होंने बीच-बचाव किया। बताया गया है कि जगदीश सिंह लोधी ने 30 अक्टूबर 23 को भारत ट्रैक्टर्स से 60 एचपी ट्रैक्टर (यूपी 94 ए0एच 5010) खरीदा था। ट्रैक्टर में तकनीकी खामी आने पर वह गारंटी के तहत उसे बदलवाने या सुधारवाने के लिए शोरूम ले गया था। एसीजेएम महरौनी के आदेश पर थाना कोतवाली महरौनी में मामला दर्ज किया गया है।

शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की शोकसभा

ललितपुर। शिक्षक कर्मचारी संयुक्त मोर्चा की एक शोक सभा में सांसद प्रतिनिधि पं.दिनेश गोस्वामी एड.की धर्मपत्नी स्व. राजकुमारी गोस्वामी तथा राजकीय शिक्षक संघ पूर्व जिलाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) पूर्व प्राचार्य शिक्षक मनीष खरे एवं अभिषेक खरे के पिता स्व. विनोद कुमार खरे के असमय निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। इस दौरान मोर्चा के संरक्षक, शिक्षक विधायक प्रतिनिधि एवं प्रांतीय महामंत्री केदारनाथ तिवारी, प्रांतीय कोषाध्यक्ष जयशंकर प्रसाद द्विवेदी, महेश तिवारी, कमलेश कुमार, डा.हेमंत तिवारी, देवेंद्र रावत, सुरेंद्र पटेरिया, रूपेश साहू, अनंत तिवारी, अभिषेक शर्मा, सुशील रावत, आशीष जैन, श्रीकृष्ण पटैरिया, मनोज किलेदार, अखिलेश श्रीवास्तव, जसवंत सिंह, संजय टडैया सहित अन्य शिक्षक व पदाधिकारी मौजूद रहे और उन्होंने श्रद्धाँजलि अर्पित करते हुए अपनी संवेदनाएं प्रकट कीं।

नशेबाज बदमाशों ने युवक को पीटा

ललितपुर। शहर के नर्सरी मरघटा इलाके में नशे में लिप्त तीन युवकों ने एक व्यक्ति को बुरी तरह मारपीट कर उसके मोबाइल फोन छीन लिया और जान से मार देने की धमकी दी। पीड़ित मोन्टी सोनी ने कोतवाली थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। घटना 5 अप्रैल 2026 कोरातकरीब 9.30बजे की है जब गाँधीनगर निवासी मोन्टीसोनी वहाँ से गुजर रहे थे। वहां चार लोग शराब पी रहे थे। इनमें चण्डी मंदिर के पास रहने वाले आयुष चतुर्वेदी, दीपक अहिरवार और छुन्नू शामिल थे। बेवजह गाली-गलौज शुरू कर दी। जब मोन्टी सोनी ने विरोध किया तो आरोपियों ने बेल्ट और लाठी-डंडों से उनकी बेरहमी से पिटाई की। पीड़ित को अंदरूनी चोटें आईं। मारपीट के दौरान आरोपियों ने कहा, कहीं दिखे तो जान से मार देंगे।

स्कूल चलो अभियान : नये व मेधावी छात्रों का किया सम्मान

बिल्ला, दैलवारा, ऊमरी एवं गुगरवारा में साँस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए

ललितपुर। छात्रा को सम्मानित करते शिक्षक।

ललितपुर। उत्तर प्रदेश शासन के निर्देशानुसार संचालित स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत संकुल बिल्ला के पूर्व माध्यमिक विद्यालय दैलवारा, प्राथमिक विद्यालय उमरी एवं प्राथमिक विद्यालय गुगरवारा में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस दौरान नवप्रवेशी विद्यार्थियों का स्वागत एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। दैलवारा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। छात्राओं द्वारा पन्ना धाय के चरित्र पर आधारित एकांकी एवं अन्य शिक्षाप्रद नाट्य प्रस्तुतियों ने खूब रिझाया। प्रस्तुति से प्रभावित होकर अतिथियों ने प्रतिभागी छात्राओं को प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया। शिक्षक कर्मचारी परिषद जिलाध्यक्ष डा.हेमंत तिवारी ने कहा कि वर्तमान सरकार का उद्देश्य तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा को बढ़ावा देना है। एकेडमिक रिसोर्स पर्सन विशाल नायक ने कहा कि शिक्षा के तीन प्रमुख सोपान कक्षा, मंच और मैदान हैं। इस दौरान एआरपी उदयभान सिंह, अखिलेश श्रीवास्तव, अनुराधा मोदी, चंपालाल, के.के.दुबे सहित अनेक शिक्षक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन गिरीश साहू ने किया, आभार प्रधानाध्यापक अखिलेश श्रीवास्तव ने व्यक्त किया। पूमावि ऊमरी में संकुल प्रभारी हेमंत तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में नवप्रवेशी बच्चों का सम्मान किया गया। इस दौरान संकुल शिक्षक शरद श्रीवास्तव के स्थानांतरण पर भावभीनी विदाई दी गई। मंच से एआरपी उदयभान सिंह, आजाद वर्मा, राजेंद्र यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। कार्यक्रम में आनंद मिश्रा, पंकज पुष्पकार, आकाश सोनी, स्नेहलता, दीपिका दुबे, अभिषेक शर्मा, विशाल शर्मा आदि का सहयोग रहा।

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान : 3 माह में पूरा होगा चिन्हीकरण

ललितपुर। ज्ञान भारतम् मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय पाण्डुलिपि सर्वेक्षण अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इसके तहत जनपद में पाण्डुलिपियों के चिन्हीकरण एवं सर्वेक्षण का कार्य आगामी तीन माह में पूर्ण किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जनपद के निजी एवं सरकारी पुस्तकालय, संग्रहालय, शिक्षण एवं शोध संस्थान, संस्कृत पाठशालाएं, मंदिर, मठ, आश्रम, गुरूकुल ट्रस्ट आदि संभावित पाण्डुलिपि संग्रह केन्द्र के रूप में चिन्हित किए जाएंगे। इसके अलावा निजी संग्रहकर्ताओं, पुरोहितों, धर्माचार्यों, ज्योतिषाचार्यों, आयुर्वेदाचार्यों तथा संस्कृत एवं प्राचीन भाषाओं के विद्वानों के पास उपलब्ध पाण्डुलिपियों का भी सर्वेक्षण किया जाएगा। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पाण्डुलिपियों का सर्वेक्षण संग्रहकर्ता की सहमति से ही किया जाएगा तथा पाण्डुलिपियों का स्वामित्व पूरी तरह संग्रहकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा। यह सर्वेक्षण कार्य ज्ञान भारतम ऐप मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किया जाएगा, जो गूगल प्ले स्टोर एवं एप स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध है।

ललितपुर की महिला पुलिसकर्मियों ने जीता स्वर्ण

ऑल इंडिया पुलिस आर्चरी चैंपियनशिप में हासिल की उपलब्धि

ललितपुर। स्वर्ण पदक जीतने के बाद एसपी के विजेता।

ललितपुर। अखिल भारतीय पुलिस आर्चरी चैंपियनशिप-2026 में ललितपुर पुलिस की महिला खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हांसिल कर जनपद और विभाग का नाम रोशन किया है।

यह प्रतियोगिता भिलाई (छत्तीसगढ़) में आयोजित हुई थी। प्रतियोगिता में ललितपुर में तैनात महिला मुख्य आरक्षी प्रीति चौधरी और महिला आरक्षी भूमि कुमारी ने कड़े मुकाबले के बीच बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। दोनों खिलाड़ियों ने अपने कौशल, अनुशासन और समर्पण का उत्कृष्ट परिचय दिया, जो अन्य पुलिस कर्मियों और युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

गौरक्षा और राष्ट्रमाता के सम्मान के लिए अधिवक्ताओं ने चलाया हस्ताक्षर अभियान

जिला बार भवन से हुयी शुरूआत

ललितपुर। कार्यक्रम में मौजूद अधिवक्तागण।

ललितपुर। गौ माता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिलाने और उनके संरक्षण हेतु चलाए जा रहे गौ सम्मान आह्वान अभियान से अब अधिवक्ता भी जुड़ गये हैं।

जिला बार भवन में अधिवक्ताओं के बीच एक विशाल हस्ताक्षर अभियान चलाया गया। इस दौरान शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी हुआ। अभियान का नेतृत्व कर रहे अधिवक्ता गौपुत्र मनीष दुबे द्वारा जिला बार भवन में उपस्थित सभी अधिवक्ताओं को गौ माता की रक्षा और उनके सम्मान का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा कि गौ सेवा केवल धार्मिक कार्य नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक और नैतिक जिम्मेदारी भी है। उन्होंने पोर्टल गौसम्मान क्लाउड के माध्यम से लोगों को इस मुहिम से जुड़ने का आह्वान किया। जिला बार के पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश घोष ने कहा कि कानून और समाज दोनों में गौ माता का स्थान सर्वोपरि होना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता शरद चौबे ने भी कहा कि इस हस्ताक्षर अभियान का उद्देश्य सरकार तक जन-जन की आवाज पहुँचाना है। हस्ताक्षर कर समर्थन देने वालों में अधिवक्तागण ओमप्रकाश घोष, शरद चौबे, महेंद्र जैन झब्बू, अजय राजपूत, परशुराम उदेनिया, आनंद चतुर्वेदी, गौरव जैन, दीपक राजपूत, रविन्द्र घोष, शशिकांत राजपूत, पुष्पेंद्र सिंह चौहान, मुकेश कुमार कटारे, शैलेन्द्र सिंह बुंदेला, विकास त्रिपाठी, आकाश झा, शंकरलाल कुशवाहा, विजय नारायण गोस्वामी, कमलेश गुप्ता, अंकित जैन, जुबैद खान, हरिराम राजपूत, मनोज कुमार,हरदेव निरंजन, मनीष राठौर सहित अनेक प्रबुद्धजन शामिल रहे। बताया गया कि जो लोग व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सके हैं वे वेबसाइट गौसम्मान क्लाउड पर जाकर डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से इस राष्ट्रव्यापी मुहिम का हिस्सा बन सकते हैं।

नेताओ ने नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सजीव प्रसारण देखा

पीएम ने विज्ञान भवन मे किया संबोधित

चित्रकूट। सम्मेलन मे शामिल जिपंअ अशोक जाटव, डीसीबी चेयरमैन पंकज अग्रवाल व एडीएम

चित्रकूट। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सजीव प्रसारण देखा गया। प्रधानमंत्री द्वारा प्रातः 11 बजे से विज्ञान भवन नई दिल्ली से संबोधित किया। जनपद में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव एवं विशिष्ट अतिथि पंकज अग्रवाल अध्यक्ष डीसीबी बांदा-चित्रकूट उपस्थित रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव ने बताया कि हमारी सरकार ने माताओं एवं बहनों व बेटियों को ध्यान में रखकर सरकार द्वारा योजनाएं बनाई व कियान्वित की जा रही है। आज भारत के हर क्षेत्र माताओं एवं बहनों का अमूल्य योगदान है। विकसित भारत बिना आधी आबादी के पूर्ण नहीं हो सकता। कार्यक्रम के दौरान बाल विकास परियोजना अधिकारी बीएल गुप्ता एवं महेन्द्र पटेल ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलाए जा रहे पोषण पखवाड़ा के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि 9 अप्रैल से 23 अप्रैल तक चलाए जा रहे पोषण पखवाड़ा के अन्तर्गत 15 अप्रैल बुधवार को पूर्वान्ह 11 बजे से अपराह्न 02 बजे के मध्य सही पोषण और प्रारम्भिक देखभाल-बच्चों के विकास पोषण पाठशाला का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विभागीय अधिकारियों के अतिरिक्त विषय विशेषज्ञों द्वारा हिंदी में विस्तार से चर्चा की जायेगी। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता ने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियो का आभार व्यक्त कार्यक्रम समाप्त किया।

प्रदेश स्तरीय स्वर्णकार सम्मेलन सम्पन्न

गुरसराय (झांसी) अखिल भारतीय स्वर्णकार संघ का राष्टीय सम्मेलन रविंद्रालय लखनऊ में संपन्न हुआ। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य व्यापारिक दृष्टिकोण से समाज में जो सोने चांदी के मूल्य में हो रही गिरावट और भाव के चढ़ जाने से जो परेशानियां हो रही हैं उन्हें कैसे दूर करें यह मुख्य बिंदु था। इसके अलावा सोनार समाज जो विभिन्न उपजातियां में बात हुआ है उन्हें इकट्ठा करना और एक मजबूत समाज की स्थापना कर राजनीतिक दावेदारी करना। भक्तों ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि अभी तक सभी राजनीतिक दलों ने हमारा फायदा उठाया है अब हम उन्हें ऐसा नहीं करने देंगे हम स्वयं संगठित होकर अपनी आवाज सरकार तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। राजनीतिक दल कोई भी हो अगर वह हमारे समाज की अपेक्षा करता है तो हम उसकी उपेक्षा करेंगे जो हमारे हित साथ देंगे हम उनके साथ देंगे। इस सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्वर्णकार संघ के अध्यक्ष रविंद्र बरसैंया (बंटे) गुरसराय के साथ सुनील कुमार सोनी (कल्लू) अध्यक्ष अयोध्या वासी स्वर्णकार समाज गुरसराय, जगमोहन सोनी, अभिनेंद्र सोनी, सत्य प्रकाश सोनी (सगौली) सुमंत सोनी, और मोनू सोनी बार गए वालों के साथ बहुत से लोगों ने भाग लिया।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर भाजपाईयों ने चलाया स्वच्छता अभियान

चिरगांव (झांसी)। चिरगांव क्षेत्र के ग्राम पहाड़ी में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के शुभ अवसर की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा ÷स्वच्छता दीप÷ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य गांव में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और डॉ. अंबेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने मिलकर गांव में साफ-सफाई अभियान चलाया। गलियों, सार्वजनिक स्थलों एवं मंदिर परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। इसके पश्चात दीप प्रज्वलित कर डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के आयोजक सौरभ तन्नु पाठक, अनुज महाराज चेलरा, रितेश चौधरी, जीतू नंदसिया, श्रीलाल अहिरवार, वीरेंद्र राजपूत (दबरा), यशपाल राजपूत एवं मुखिया पहाड़ी बूथ अध्यक्ष सहित अन्य कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। सभी ने मिलकर ÷स्वच्छ गांव, स्वस्थ गांव÷ का संदेश दिया और ग्रामीणों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज को समानता, शिक्षा और स्वच्छता का जो संदेश दिया, उसे अपनाकर ही एक मजबूत और जागरूक समाज का निर्माण किया जा सकता है। अंत में सभी ने एकजुट होकर गांव को स्वच्छ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया।

भगवान परशुराम जयन्ती पर निकलने वाली शोभायात्रा को लेकर बैठक में रुपरेखा की तय

मऊरानीपुर (झाँसी) आगामी भगवान परशुराम जयन्ती को लेकर ब्राहम्ण समाज की एक बैठक नगर के एक विवाह घर में आयोजित की गयी। जिसमें बैठक का शुभारम्भ भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इसके साथ भव्य एवं दिव्य शोभायात्रा निकाले जाने का निर्णय लिया गया। जिसमें एक दूसरे से सुझाव लेते हुये इस वर्ष भी विशाल शोभायात्रा निकालने की रुपरेखा तय की गयी। इस मौके पर बैठक में बापू तिवारी, देवेन्द्र पाठक, संजय पुरोहित, लाल जी तिवारी, बृजेन्द्र तिवारी, नीतेश शास्त्री, बैजनाथ तिवारी, महेन्द्र पाठक, अरविन्द्र अडजरिया, शैलेन्द्र रिछारिया, आशु भारद्वाज, मनोज मिश्रा, सुधान्शु अवस्थी, आशीष कौशिक, अभिषेक बिरथरे, जगदेव शर्मा, दिनेश तिवारी, पीयूष तिवारी, हिमाँशु चतुर्वेदी, प्रांजुल शर्मा, अर्जुन पंडित, सत्यम उपाध्याय, अंशुल महाराज, सोमेश त्रिपाठी, सौरभ रिछारिया, सुनील रिछारिया, विनय दुबे, सतीश मिश्रा, बब्लू नायक, राजू रावत सहित समाज के तमाम लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

किदवई के निधन पर कांग्रेस कार्यालय मे शोक सभा

चित्रकूट। जिला कांग्रेस कार्यालय में पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस कमेटी की पूर्व अध्यक्ष मोहिसिन किदवई के निधन पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा मे जिलाध्यक्ष कुशल सिंह पटेल, डॉ राकेश वर्मा, शिवगुलाम वर्मा, चुनवाद प्रसाद, विजयमणि त्रिपाठी, ओपी गुप्ता, रावेन्द्र सिंह पटेल, कल्याण सिंह पटेल, भोला पटेल आदि उपस्थित रहे।

नवप्रवेशी छात्र छात्राओ का बघेल ने किया स्वागत

चित्रकूट। सोमवार को ग्राम गढ़चपा उच्च प्राथमिक विद्यालय में जिला पंचायत सदस्य प्रधान प्रतिनिधि अरुण सिंह बघेल (मिंटू सिंह) ने विद्यालय में आए नवीन छात्र छात्रों का अभिवादन किया।
उन्होने कहा कि अपने बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ ना करें उन्हें समय से प्रतिदिन स्कूल भेजें पढ़ेगा बच्चा तभी हमारे गांव का नाम रोशन होगा।
इस अवसर पर विद्यालय प्रधानाचार्य हरिशंकर त्रिपाठी, गढ़चपा प्राथमिक विद्यालय प्रधानाध्यापक अशोक त्रिपाठी जी, बिहारी मास्टर, ग्राम प्रधान ननकी देवी, रावेंद्र सिंह जी, पूर्व प्रधान रामेंद्र पांडे, राजू पयासी, राकेश सिंह, अनूप सिंह, मनीष सिंह, दीपक प्रजापति, अवधेश प्रसाद, सुंदर वर्मा, धनंजय गुप्ता, रामविलास गुप्ता, लाला कोटार्य मौजूद रहे।

धूमधाम से बनेगी अंबेडकर जयंती, बनी रूपरेखा

चित्रकूट। डा. बी आर अम्बेडकर जयंती समिति अन्तर्गत भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वावधान में बाबा साहेब की 135वी जयंती बड़े ही धूम-धाम से मनाई जाएगी। समिति के गयाप्रसाद बौद्ध ने बताया कि कार्यक्रम प्रात: 8 बजे से पटेल तिराहा से प्रारंभ होकर गाजे बाजे के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग होकर, धुस मैदान पार्क, नगर पालिका में विचार संगोष्ठी तथागत बुद्ध एवं बाबा साहेब के जीवन संघर्षों एवं उनके बताए मार्ग पर प्रकाश डाला जायेगा। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम, डा.अम्बेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त मैरिट सूची के प्रतिभागीगणों को सम्मानित किया जाएगा। मार्च 2026मे सेवानिवृत्त शिक्षकों को समिति के माध्यम से सम्मानित किया जाएगा।

श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल की बेहतरीन पहल

चित्रकूट। मेधावी एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से श्रीजी इण्टरनेशनल स्कूल (एसआरजे फाउण्डेशन) सियाराम ज्वैलर्स प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली द्वारा नि:शुल्क शिक्षा योजना प्रारंभ की गई है। इस सराहनीय पहल को विशेष रूप से प्रायोजित किया गया है, जिन्होंने बच्चों की शिक्षा का दायित्व अपने सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत लिया है। विद्यालय प्रबंधन द्वारा इस योजना के अंतर्गत कक्षा 6 से नौ तक प्रत्येक कक्षा में दो-दो छात्रों तथा कक्षा 11 में तीन छात्रों का चयन किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को नि:शुल्क शिक्षा एवं परिवहन सुविधा मिलेगी। विद्यार्थियों का चयन पिछली कक्षा में प्राप्त अंकों तथा आयोजित छात्रवृत्ति परीक्षा में प्राप्त मेरिट के आधार पर किया जाएगा, ताकि वास्तव में मेधावी एवं पात्र छात्रों को इसका लाभ मिल सके। इस योजना के लिये पंजीकरण 14 से 18 अप्रैल तक होगा, जबकि छात्रवृत्ति परीक्षा 19 अप्रैल को आयोजित की जाएगी।

पुलिस ने दो वारंटी दबोचे

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी उनि अंशुल कुमार सिंह ने वारंटी धर्मेन्द्र उर्फ राजा ठाकुर पुत्र विजय करन सिंह निवासी कुबेरगंज, वारंटी रईश पुत्र स्व0 हनीफ निवासी भरतपुर को गिरफ्तार किया।

बाल विवाह को रोकने को चलाया अभियान

चित्रकूट। जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता की देख-रेख में बाल विवाहों को रोकने के लिए जनपद में अभियान चलाकर लोगो को जागरूक किया जा रहा है। बाल-विवाह होने की सूचना बाल विवाह टास्क फोर्स के दिये गये नम्बरों चाइल्ड लाइन-1098, पुलिस सेवा-112, बाल कल्याण समिति, अध्यक्ष राकेश माथुर-9219381673, एएचटीयू प्रभारी, एवं डॉ0 सौरभ सिंह, बाल संरक्षण अधिकारी-9450230079 पर सूचित करे।

टेट के विरोध मे महासंघ ने निकाला मशाल जुलूस

कहा नई नीति पुरानो पर लागू ना की जाए

चित्रकूट। अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक महासंघ द्वारा पटेल तिराहा से शहीद स्मारक तक विशाल मशाल जुलूस निकाला गया। शैक्षिक संगठनों द्वारा एकजुट होकर शिक्षकों को टेट अनिवार्यता से मुक्त रखने के लिये यह मशाल जुलूस निकाला गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मण्डल संयोजक शिवसागर मिश्रा व प्रदेश संयोजक कमलेश पाण्डेय ने की। कार्यक्रम का संचालन महेश प्रसाद ने किया। महासंघ प्रदेश संयोजक कमलेश पाण्डेय ने सरकार के टेट अनिवार्यता निर्णय को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और निर्णय को वापस ना लिए जाने तक संघर्ष जारी रखने की हुंकार भरी। सरकार द्वारा शिक्षकों के ऊपर रोज नए-नए आदेश पारित कर प्रताड़ित किया जा रहा है जिसको शिक्षक बर्दाश्त नहीं करेंगे आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। महासंघ मण्डल संयोजक शिवसागर मिश्रा ने कहा गया कि जो शिक्षक रिटायर होने की कगार पर हैं वो क्या अब परीक्षा देने की तैयारी करें। नए शिक्षक टेट क्वालीफाई हैं पहले से, परंतु अब टेट के अस्तित्व में आने से पूर्व में नियुक्त शिक्षकों पर इसे थोपे जाने से समस्त शिक्षक मानसिक प्रताड़ना से जूझ रहे हैं। महासंघ मण्डल महामंत्री विश्वबन्धु पाण्डेय ने कहा कि सरकार समय समय पर शिक्षकों को किसी ना किसी प्रकार अवैध प्रताड़ना देती रहती है। अब शिक्षक को टेट रूपी प्रताड़ना दी जा रही है। महासंघ जिला संयोजक हर्ष त्रिपाठी ने कहा गया कि टेट 2011 से लागू हुआ है उसके बाद के सभी शिक्षक इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने के बाद ही नियुक्त हुए है। सह संयोजक बीके मिश्रा ने सरकार के इस निर्णय को ग़ैर जिम्मेदाराना और शिक्षकों को मानसिक रूप से प्रताडित करने वाला बताया। पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ वरिष्ठ उपाध्यक्ष मानवेन्द्र मिश्रा ने कहा कि टेट लागू होने से पूर्व के नियुक्त शिक्षकों पर इसे नहीं थोपा जाना चाहिए। टीएससीटी संयोजक अमर बहादुर सिंह ने कहा कि मशाल जुलूस के बाद भी यदि सरकार अपने इस निर्णय को वापस नहीं लेती है तो महासंघ संसद भवन का घेराव करेगा। अटेवा के राजेश यादव ने इस मशाल जुलूस में प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर शामिल हुए और सरकार को टेट अनिवार्यता सहित पुरानी पेंशन पर घेरा। इस मौके पर शिक्षक-शिक्षिकाये उपस्थित रहे।

डा0 इलेश जैन ने भोजनालय का किया निरीक्षण

चित्रकूट। सदगुरु नेत्र चिकित्सालय के नवनियुक्त निदेशक डॉ इलेश जैन इन दिनों अपने स्टॉफ के बीच काफी सुर्खियां बटोर रहे है। हाल ही डॉ इलेश जैन चिकित्सालय परिसर में बने स्टॉफ भोजनालय औचक रूप से पहुंच गए और अपने स्टॉफ के साथ हांथ में थाली ले लाइन में लग गए जब एक दम से स्टॉफ की नजर उन पर पड़ी तो सभी चौंक गए। मगर जब तक स्टॉफ कुछ बोल पाता उससे पहले उन्होंने कहा कि आप सब लोग भोजन करिए आज मैं भी आपके साथ बैठकर भोजन प्रसाद का आनंद लूंगा। डॉ इलेश ने भोजन कर रहे सभी स्टॉफ से भोजन की गुणवत्ता पर बात चीत करते हुए जानकारी भी लिया। उन्होने कहा कि हम भी एक इंसान है हम कोई अलग से नहीं आए हमारा स्टॉफ हमारा परिवार है और अपने परिवार के साथ बैठाना हर इंसान का काम भी है और कर्तव्य भी है।

जयंती की पूर्व संध्या पर निकला बाइक जुलूस

पनवाड़ी संवाददाता राम लखन सोनी। कस्बे में अंबेडकर जयंती की पूर्व संध्या पर सोमवार को भव्य बाइक जुलूस निकाला गया। बाइक जुलूस का शुभारंभ थाना पनवाड़ी क्षेत्र अंतर्गत रविदास मंदिर से हुआ, जहां भारत रत्न संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। जुलूस रविदास कमेटी एवं अंबेडकर समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता रविदास कमेटी अध्यक्ष एवं अंबेडकर समिति अध्यक्ष रवि चौधरी ने की।

बाबा साहब अम्बेडकर को किया नमन

गुरसरांय । संबिधान निर्माता डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती की पूर्व संध्या पर खेर इंटर कॉलेज के मुख्य भवन में हर्षोल्लास से बाबा साहब का जन्मदिन मनाया गया।
विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष पं देवेश पालीवाल,प्रबंधक मनोहर राव नेवालकर ,प्रधानाचार्य धनप्रकाश तिवारी,जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि जितेंद्र पटेल,क्रीड़ाध्यक्ष विनोद कुमार,सुधीर कुमार पाठक,संगीत अध्यापक सरजू शरण पाठक आदि ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की।
इसके बाद बोलते हुए प्रवक्ता संतोष कुमार शाक्य ने बाबा साहब के द्वारा किये गए त्याग एवं संदेश को बताते हुए कहा कि उन्होंने समाज मे समदर्शिता का कार्य किया।संविधान की रचना पूरे देश के लिए अलौकिक है,जिसको भुलाया नहीं जा सकता है। अंत मे विद्यालय के प्रधानाचार्य डी पी तिवारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। इस मौके पर प्रवक्ता डॉ विवेक मुद्गल राजेश चंद्र,जे पी वर्मा,भूपेन्द्र पंथी,ऋतु बुंदेला,राजेन्द्र प्रसाद,प्रदीप स्वर्णकार, सुनील व्यास,राम लला पटेल,पुष्पेन्द्र वर्मा,दुर्गा प्रसाद,जितेंद्र पटेल कुम्हरिया,राजवेन्द्र सिंह बुंदेला,जितेंद्र साहू,इन्द्रनारायण, मुकेश बाबू खैर,सुभाष कुमार वर्मा,अशोक आर्या,अमित प्रताप भदौरिया, राज बहादुर सिंह,बलबीर सिंह परिहार, बाबूराम,जितेंद्र मिश्रा,सुरभि पटेल,दीनदयाल, रजनी यादव,दीपा गुप्ता, वर्षा गुप्ता,खुशबू जैन, विवेक गुप्ता, संजय दोन्दे रिया,राकेश व्यास,जितेंद्र सोनी,प्रमोद सविता, राम सेवक गौतम,प्रांजल तिवारी,पंकज शाक्य,इन्द्र भूषण द्विवेदी, हरिश्चंद्र नायक,बड़े बाबू कुलदीप कोदबलकर,कौशलेश मिश्रा,प्रवीण सिरोही,कुलदीप वर्मा,रवि सेन,जितेंद्र सेन, अनिल नायक,योगेश अग्रवाल, अंकित कुमार,कमलू,समता पांचाल आदि उपस्थित रहे।

बुंदेली सेना ने नदी मे जमा गंदगी हटाई

चित्रकूट। नदी मे जमी गंदगी हटाती बुन्देली सेना टीम।

चित्रकूट। पुलघाट कर्वी में बुंदेली सेना नें सोमवार को मंदाकिनी नदी सफाई अभियान चलाया। इस दौरान गंदगी और प्रदूषण से कराह रहे घाट को पूरी तरह साफ स्वच्छ किया। लोगों से अपील की है कि नदी स्वच्छता में सभी लोग सहयोग करें और नदी में पालीथिन, कपड़े, मूर्तियां आदि कतई न फेंके।

बुंदेली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने बताया कि पुलघाट कर्वी नगर का सर्वाधिक प्रयोग किया जाने वाला घाट है आलम यह है कि गंदगी और प्रदूषण से घाट कराह रहा था इसी को देखते हुए यहां लगातार सफाई का अभियान चलाया गया सोमवार को सुबह सघन अभियान चलाकर घाट में सफाई की गई दर्जनों कपड़े, मूर्तियाँ, चोई घास और कचरा नदी से बाहर किया गया पालीथिन में भरी हवन पूजन सामग्री लोग नदी में फेंकते हैं इससे नदी में सर्वाधिक प्रदूषण होता है। पुल किनारे बने हवन पूजन विसर्जन कुंड में ही विसर्जन सामग्री डालने की अपील की।

नारी शक्ति वंदन पर हुई प्रेसवार्ता, महिलाओं ने दिया समर्थन

मऊरानीपुर। प्रेस वार्ता की।

मऊरानीपुर (झाँसी) नगर पालिका मऊरानीपुर के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में क्षेत्र की बडी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नारी शक्ति वंदन पहल का जोरदार समर्थन किया। क्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का उद्देश्य देश की महिलाओं को राजनीतिक रुप से सशक्त बनाना है। इसी दिशा में वर्ष 2023 में पारित अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रावधान किया गया हैं। वक्ताओं ने बताया कि इस कानून के लागू होने के बाद भविष्य के लोकसभा चुनाव में महिलाओं की भागीदारी में बडा इजाफा होगा और सैकडों महिलायें संसद तक पहुँचकर नीति निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होनें कहा कि इस विधेयक को अन्तिम रुप देने के लिये विशेष सत्र बुलाने की तैयारी की जा रही है। जिसमें इसे पारित कराने की प्रक्रिया आगे बढेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला उपाध्यक्ष चंचल कंथरिया ने की । इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष शशि श्रीवास ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस दौरान डॉ. नन्दिनी दुबे, राधा अग्रवाल, प्रवेश शर्मा, प्रगति आर्य, वन्दना मिश्रा, चन्द्र प्रभा भडैरिया, रामकिशोर आर्य आदि भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

थाना पनवाड़ी में मिशन शक्ति केन्द्र के माध्यम से दम्पत्ति विवाद का सफल निस्तारण, आपसी सहमति से साथ रहने पर बनी सहमति

पनवाड़ी संवाददाता राम लखन सोनी। महोबा को थाना पनवाड़ी पर स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र में आवेदिका श्रीमती अंजू पत्नी चंद्रप्रकाश अहिरवार निवासी ग्राम महुआ थाना पनवाड़ी जनपद महोबा द्वारा डायल 112 के माध्यम से अपने पति चंद्रप्रकाश अहिरवार पुत्र मैयादीन अहिरवार के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई गई। आवेदिका द्वारा बताया गया कि उनके पति द्वारा आए दिन मामूली बातों पर विवाद किया जाता है तथा घर खर्च हेतु पर्याप्त धनराशि नहीं दी जाती, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हैं।
* प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए दोनों पक्षों को थाना कुलपहाड़ पर उपस्थित कराया गया, जहां मिशन शक्ति केन्द्र के माध्यम से उनकी काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान दोनों पक्षों की समस्याओं को विस्तार से सुना गया, जिसमें यह तथ्य सामने आया कि पूर्व में भी कई बार उनके मध्य विवाद हो चुका है। मिशन शक्ति केन्द्र के माध्यम से दोनों पक्षों को आपसी समझ-बूझ एवं पारिवारिक सामंजस्य बनाए रखने हेतु समझाया गया। काउंसलिंग के पश्चात दोनों पति-पत्नी आपसी सहमति से साथ रहने तथा भविष्य में विवाद न करने पर सहमत हुए। साथ ही पति द्वारा परिवार के समस्त खर्चों का समुचित वहन करने एवं किसी प्रकार का विवाद न करने का आश्वासन दिया गया। इस प्रकार मिशन शक्ति केन्द्र की पहल से पारिवारिक विवाद का शांतिपूर्ण एवं सफल निस्तारण कराया गया।

नगर पालिका परिषद में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का भव्य आयोजन

गुरसराय। भारत सरकार के तत्वावधान में सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा नारी शक्ति वंदन सम्मेलन का सीधा प्रसारण नगर पालिका परिषद कार्यालय में देखा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह (राजू चौहान) ने की। इस अवसर पर भारी संख्या में महिलाओं और जनप्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण के इस संकल्प को मजबूती दी।

महिलाओं की सशक्त भागीदारी

सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री के संबोधन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सुना गया। कार्यक्रम में क्षेत्र की जागरूक महिलाओं सहित महिला जनप्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उपस्थित महिलाओं ने केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के उत्थान के लिए चलाई जा रही योजनाओं की सराहना की।

अध्यक्ष का संदेश

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पालिका अध्यक्ष जयपाल सिंह ने कहा, ÷आज की नारी अब अबला नहीं, बल्कि राष्ट्र की शक्ति का आधार है। केंद्र सरकार द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को जो सम्मान और अधिकार दिए गए हैं, वे विकसित भारत की नींव रखेंगे। हमारा प्रयास है कि स्थानीय स्तर पर भी हर महिला आत्मनिर्भर और सुरक्षित महसूस करे।÷?इस अवसर पर पालिका के वरिष्ठ लिपिक सोनू बख्शी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज के हर वर्ग से अपील की कि वे नारी शक्ति के सम्मान को अपनी प्राथमिकता बनाएं।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में मुख्य रूप से नामित पार्षद शीतल शर्मा, पार्षद ममता देवी, मंजू यादव पार्षद रुकसार बानो पार्षद, रामदेवी, इसके अलावा सगुन घोष, पिंकी, सुषमा, सीमा, पूर्व पार्षद राकेश त्रिपाठी, पार्षद प्रतिनिधि अखंड यादव और अखिलेश घोष पालिका कर्मचारी जयनारायण, बंटे, लल्ला सोनी, दीपक कुमार, प्रकाश दीक्षित, उमेश कुमार, राजेश सैनी, अबरार सिद्दिकी और प्रमोद कुमार ÷ विनीता, गायत्री, रेखा, रानी, इन्दु, नंदिनी, संध्या एवं प्रेमरानी देवी भी उपस्थित रहीं।

न्यायालय आदेश पर गांजा निस्तारित

चित्रकूट। न्यायालय विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट/अपर सत्र न्यायाधीश के आदेश अनुपालन में पुलिस जिलेभर के थानो मे 34 मुकदमों के कुल 90.644 किलो गांजा का विनष्टीकरण किया। अपर पुलिस अधीक्षक अरविन्द कुमार वर्मा की उपस्थिति में थाना 34 मुकदमों के कुल 90.644 किलोग्राम नाजायज गांजा का विनष्टीकरण किया।

डीएम ने किया टारगेट फिक्स, जनपद में 30 अप्रैल तक शत प्रतिशत करें फार्मर रजिस्ट्री

जनपद के 66 गेहूँ क्रय केंद्रों पर फार्मर रजिस्ट्री के लगेंगे कैंप : डीएम

झांसी जयूसं। कृषि एवं राजस्व विभाग द्वारा संयुक्त रूप से भारत सरकार की ऐग्रीस्टैक योजना के अन्तर्गत प्रदेश में कृषकों के किसान पहचान पत्र बनाए जा रहे हैं तथा वर्तमान में लगभग 77 प्रतिशत प्रतिशत कृषकों के किसान पहचान पत्र तैयार किए जा चुके हैं। जनपद में शेष कृषकों के किसान पहचान पत्र तैयार किए जाने का कार्य भी शीर्ष प्राथमिकता पर किया जा रहा है तथा इस उद्देश्य से जनपद में 30 अप्रैल, 2026 कार्य पूर्ण करने के लिए संचालित 66 गेहूं क्रय केंद्रों पर विशेष कैम्प लगाकर किसान पहचान पत्र बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भविष्य में प्रदान की जाने वाली प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की किश्तों को उन्हीं कृषकों को प्रदान किया जाएगा, जिनके किसान पहचान पत्र जारी किए गए हों। राज्य सरकार द्वारा भी इसी नीति का अनुसरण करते हुए कृषि विभाग एवं सहयोगी विभागों यथा उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, सहकारिता, लघु सिंचाई इत्यादि की लाभार्थी परक योजनाओं का क्रियान्वयन किसान पहचान पत्र के आधार पर किए जाने का निर्णय लिया गया है।

उपर्युक्त नीति के अनुसार जिलाधिकारी मृदुल चौधरी द्वारा जूम ऐप के माध्यम से समीक्षा करते हुए द्वारा बताया कि प्रथम चरण में कृषि विभाग द्वारा अपनी लाभार्थी परक योजनाओं यथा उर्वरक, बीज, कीटनाशी एवं अन्य इनपुट के वितरण व लाभार्थियों के चयन में किसान पहचान पत्र को आधार बनाया गया। इसके अतिरिक्त जनपद में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर क्रय किए जाने वाले कृषि उत्पाद के क्रय के लिए किसान पहचान पत्र भी अनिवार्य रहेगा तथा क्रय केन्द्र पर कृषकों से खरीद से पूर्व उनके किसान पहचान पत्रों का सत्यापन अनिवार्य रूप से किया जाएगा। तदोपरान्त अब अन्य विभागों द्वारा भी किसान पहचान पत्र के आधार लाभार्थी परक योजनाओं में चयन / लाभ वितरण की कार्यवाही की जा रही है।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जनपद में अनुदानित रासायनिक उर्वरकों का वितरण कृषि विभाग द्वारा प्रदत्त आवण्टन के आधार पर सहकारिता विभाग द्वारा प्राथमिक सहकारी समितियो तथा निजी विक्रेताओं द्वारा किया जाता है। वर्तमान में उर्वरकों का वितरण पीओएस मशीनों के माध्यम से इंटीग्रेटेड फर्टिलाइजर मैनेजमेंट सिस्टम पोर्टल की सहायता से किया जाता है। माह मई, 2026 से यह वितरण किसान पहचान पत्र व फार्मर रजिस्ट्री के आधार पर ही किया जाएगा और इसके लिए कृषि विभाग द्वारा भारत सरकार से समन्वय स्थापित कर आईएफएमएस पोर्टल को ऐग्रीस्टैक पोर्टल से जोड़कर अनुपालन सुनिश्चित किया जाएगा।

समीक्षा करते हुए उन्होंने कृषि विभाग की समस्त लाभार्थी परक योजनाओं में किसान पहचान पत्र एवं फार्मर रजिस्ट्री की मदद से लाभार्थियों का चयन करने हेतु कृषि विभाग द्वारा अपने पोर्टल को 01 मई, 2026 तक तैयार करने के निर्देश दिए। खाद्य एवं रसद विभाग तथा कृषि विभाग द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जाने वाली समस्त खरीद में तत्काल प्रभाव से किसान पहचान पत्र / फार्मर आई0डी0 को अनिवार्य करते हुए मात्र उन्हीं कृषकों से खरीद की जाएगी, जिनके पास किसान पहचान पत्र होंगे। उन्होंने बताया कि अन्य विभागों द्वारा भी लाभार्थी परक योजनाओं के लिए किसान पहचान पत्र का प्रयोग अनिवार्य करने के लिए कृषि विभाग से समन्वय कर 01 मई, 2026 से अनुपालन हेतु तैयारी पूर्ण कर लिए जाने का सुझाव दिया।

उप कृषि निदेशक एम पी सिंह ने बताया कि जनपद में लगभग 77 प्रतिशत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया गया है, शेष कार्य के लिए अभियान चलाते हुए पूर्ण कर लिया जाएगा। जनपद के 2,07,655 किसानों के सापेक्ष अब तक 1,91,755 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री पूर्ण कर ली गई है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वरुण कुमार पांडेय, एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ राजकुमार यादव उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी को पितृशोक

झांसी जयूसं। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी के पिता धनीराम का लम्बी बीमारी के इलाज के दौरान 80 वर्ष की आयु में मेडिकल कॉलेज झांसी में निधन हो गया। उनका अन्तिम संस्कार झाँसी में प्रातः दिन मंगलवार को किया जायेगा। इस अवसर पर मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे सहित अन्य अधिकारियों द्वारा शोक संवेदनायें व्यक्त करते हुए उनकी दिवंगत आत्मा की शान्ति एवं परिवार को अपूरणीय क्षति सहन करने हेतु प्रार्थना की गयी।

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती पर होंगे कार्यक्रम

झांसी जयूसं। जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार ने बताया है कि भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर जिला एकीकरण समिति के तत्वावधान में अध्यक्ष जिला पंचायत की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में 14 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा, जिसमें जिला एकीकरण समिति के सभी सदस्य तथा जिला स्तरीय अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि तहसील स्तर पर उप जिलाधिकारीगण तथा ब्लाक स्तर पर खण्ड विकास अधिकारी तथा समस्त विद्यालयों मेजिला विद्यालय निरीक्षक के पर्यवेक्षण मेंकार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

न्यूज ब्रीफ

ग्राम संतृप्तीकरण अभियान, ग्राम चौपाल कार्यक्रम ग्राम पंचापट-फरीदा, बामौर में सम्पन्न

झाँसी जयूसं। ग्राम पंचापट–फरीदा विकास खण्ड–बामौर में मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे के निर्देशानुसार विकसित भारत अभियान के अन्तर्गत च्सरकार आपके द्वारा ग्राम संतृप्तीकरण अभियान, ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में फार्मर रजिस्ट्री, चकरोड तालाब का चिन्हीकरण, निर्गत जाब कार्ड का सत्यापन कार्य, प्रधानमन्त्री आवास/मुख्यमन्त्री आवास के लाभार्थियों का सत्यापन कार्य, मनरेगा, राज्य वित्त–पन्द्रहवाँ वित्त कार्यों का सत्यापन किया गया। कृषि, उद्यान, समाज कल्याण विभाग, खाद्य एवं आपूर्ति विभाग आदि विभागों में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारों दी गयी एवं लाभार्थियों का चिन्हीकरण किया गया। ग्राम चौपाल में खण्ड विकास अधिकारी गौरव कुमार, सहायक विकास अधिकारी कृषि जानवेन्द्र सिंह, लेखपाल श्रीमती मनीषा पटेल, ग्राम विकास अधिकारी श्रीमती कुमकुम, विनीत कुमार विश्वकर्मा, श्रीमती ममता देवी सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

बाबासाहेब की जयंती मेडिकल कॉलेज में मनाने का निर्णय

झाँसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ एवं चतुर्थ श्रेणी राज्य कर्मचारी महासंघ एवं ट्रेड यूनियन समन्वय समिति के पदाधिकारियो ने एक बैठक की जिसमें 14 अप्रैल को बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर की 135 की जयंती को मेडिकल कॉलेज झांसी में धूमधाम से मनाने एवं प्रसाद वितरण करने का निर्णय लिया गया एवं जिले के समस्त विभागों के संगठन के अध्यक्ष मंत्री और पदाधिकारी को कार्यक्रम में आने के लिए आग्रह किया गया। बैठक में महासंघ के प्रांतीय अध्यक्ष लखन सिंह चौहान, जिला मंत्री रामबाबू विश्वकर्मा, ट्रेड यूनियन समन्वय समिति से सी पी भार्गव ,संरक्षक ग्याशी बाबूजी महासंघ के जिला अध्यक्ष एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी महासंघ शाखा मेडिकल कॉलेज कीअध्यक्ष राजेंद्र चौहान महामंत्री, अजय कुमार वरिष्ठ उपाध्यक्ष ,बालकिशन प्रजापति संगठन मंत्री ,मनोज आर्य एवं कोषाध्यक्ष राजीव कुमार जी मौजूद रहे।

जरूरतमंद बेटी की शादी मेंडॉ.संदीप ने निभाई अभिभावक की भूमिका

झाँसी जयूसं। मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की एक भावुक मिसाल उस समय देखने को मिली, जब इसाई टोला, प्रेमनगर की रहने वाली मुस्कान परवीन (पुत्री स्व. मोहम्मद शहज़ाद एवं माता नसीम) का विवाह संपन्न हुआ। इस अवसर पर समाजसेवी डॉ. संदीप सरावगी ने आगे बढ़कर बेटी की शादी में हर संभव सहयोग कर एक अभिभावक की भूमिका निभाई। विवाह के पूर्व संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पर एक भावुक विदाई समारोह आयोजित किया गया, जहां डॉ. संदीप सरावगी ने मुस्कान को आवश्यक गृहस्थी का सामान भेंट कर विदाई दी। इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने कहा हर बेटी को सम्मान और खुशियों के साथ विदा करने का हक है। मुस्कान हमारी बेटी की तरह है, और उसकी जिंदगी की नई शुरुआत में सहयोग करना हमारा कर्तव्य है। तभी सच्चे मायनों में मानवता जीवित रह सकती है। इस अवसर पर संदीप नामदेव, सुशांत गैंडा, अनुज प्रताप सिंह, राजू सेन, बसंत गुप्ता, अंजली विश्वकर्मा, रिया वर्मा, राकेश अहिरवार, धर्मेन्द्र खटीक चाचा, महेंद्र रायकवार, शुभांशु वर्मा, शिवानी कुशवाहा, स्नेहा कुशवाहा, अभय कुशवाहा आदि उपस्थित रहे।

झांसी की मिट्टी का कर्ज गोल्ड मेडल जीतकर चुकाना चाहता हूँ : केतन कुशवाहा

झांसी जयूसं। 16वीं सब-जूनियर नेशनल हॉकी चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश को स्वर्ण पदक दिलाने वाले कप्तान और झांसी नगर केउभरते हॉकी सितारे केतन कुशवाहा ने खेल विश्लेषक बृजेंद्र यादव से खास बातचीत के मुख्य अंश

प्रश्न-नेशनल चैंपियन बनने और कप्तानी का अनुभव कैसा रहा?

केतनः यह एक सपने जैसा है। यूपी की कप्तानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। टीम के हर खिलाड़ी ने मैदान पर जान लगा दी। फाइनल में मध्य प्रदेश जैसी मजबूत टीम को 5-2 से हराना हमारी कड़ी मेहनत का नतीजा है।

प्रश्न- मैच केचौथे मिनट में ही आपने गोल किया, उस वक्त दिमाग में क्या चल रहा था?

केतनः कप्तान होने के नाते मुझ पर शुरुआती बढ़त दिलाने की जिम्मेदारी थी। कोच रजनीश मिश्रा सर ने हमेशा सिखाया है कि शुरुआती दबाव विपक्षी टीम को बैकफुट पर धकेल देता है। वह गोल पूरी टीम के आत्मविश्वास के लिए जरूरी था।

प्रश्न-आप हॉकी इंडिया लीग के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने हैं,श्राची बंगाल टाइगर्सके साथ जुड़कर कैसा लग रहा है?

केतनः 2.5 लाख में नीलामी और सबसे युवा खिलाड़ी होने का टैग मेरे लिए बड़ी जिम्मेदारी है। बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करना मेरे लिए सीखने का सबसे बड़ा अवसर होगा।

प्रश्न~ अपनी सफलता का श्रेय किसे देना चाहेंगे? केतनः सबसे पहले अपने माता-पिता को व स्व.कैलाश सर जिन्होंने झांसी में सीमित संसाधनों के बावजूद मुझ पर भरोसा किया। फिर यूपी स्पोर्ट्स हॉस्टल - लखनऊ, के अपने कोचों और साथियों को, जिन्होंने मुझे एक प्रोफेशनल खिलाड़ी के रूप में तराशा। प्रश्न- झांसी के युवाओं और आने वाले खिलाड़ियों के लिए आपका क्या संदेश है?

केतन-झांसी वीरों की धरती है और हॉकी यहाँ के खून में है। बस मेहनत करते रहिए, क्योंकि खेल के मैदान पर छोटा शहर या बड़ा शहर मायने नहीं रखता, केवल आपकी च्परफॉर्मेंसज बोलती है।

प्रश्न-आपका अगला लक्ष्य क्या है?

केतन~ अभी मेरा पूरा ध्यान हॉकी इंडिया लीग के आगामी मैचों पर है। मेरा अंतिम लक्ष्य नीली जर्सी पहनकर ओलंपिक में देश के लिए मेडल जीतना है।

धूमधाम से मनाया संत कंवर राम साहिब का 141वां जन्मोत्सव

■ जनेऊ संस्कार, सत्संग प्रवचन, अखंड धुनी भोग, के बाद हुआ भंडारा

झांसी जयूसं। संत सत रामदास सेवा समिति सिंधी समाज के तत्वावधान में अमर शहीद संत कंबर राम साहिब का 141वां जन्मोत्सव एवं सोलहवें सामूहिक जनेऊ संस्कार का आयोजन सोमवार को गल्ला मंडी रोड ,अजय इनक्लेव कॉलौनी स्थित एस एस डी धाम मेंसम्पन्न हुआ। इस मौके पर उरई से आये चार एवं झासी के तीन कुल सात युवाओं के जनेऊ संस्कार विधि विधान से कराये गये जिसमें उन्हें तमाम उपहार भेंट किये गये। इस मौके पर उनके परिजन एवं समिति पदाधिकारी जमकर झूमे और खुशियां मनाई। समिति अध्यक्ष रमेश वरयानी के संचालन में पं कपिल शर्मा द्वारा सामूहिक जनेऊ संस्कार कराया गया। फिर महिला मंडल ने अखण्ड धुनी साहिब प्रारंभ किया। सायंकालीन मेंडबरा से पधारे छोटू सांई साहिब जी ने सत्संग करते हुये प्रवचन दिये?।सत्संग पश्चात अखण्ड धुनी साहिब जी का भोग लगाया गया तदुपरांत भण्डारे प्रारंभ हुआ जिसमें देर तक श्रद्धालुओं ने भण्डारे का प्रसाद पाया। इस मौके पर समिति अध्यक्ष रमेश वरयानी, उपाध्यक्ष ओम रामवानी, सचिव गौरीशंकर कारनानी, कोषाध्यक्ष अमर माखीजा, संरक्षक अर्जुन दास मोटवानी, हरीराम केशवानी, किशन कप्तानी, घनश्याम दास प्रेमानी, कीरतदास दलवानी, सुगनामल लखवाणी, संजय ख्याली, रतन हीरवानी, अनिल गुरनानी एड.महेश आहूजा, पवन बत्रा, कमल दासानी,दिलीप कारनानी, किशन वरयानी,जय गंगवानी, गणेश मंगतानी,टोनी गोदवानी, धर्मेंद्र केशवानी, पप्पू दलवानी, लोकेश बजाज,पारस तलरेजा,दीपू चन्द्रानी,बृजलाल बध्या, कमल दासानी आदि मौजूद रहे। अंत में रमेश वरयानी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

झांसी मंडल में 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' से सम्मानित हुए राम कुमार

झांसी जयूसं। झांसी मंडल में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन एवं सतर्कता का परिचय देने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने की परंपरा के अंतर्गत, डीजल लोको शेड में कार्यरत तकनीशियन-1 (मेकैनिकल) राम कुमार राय को 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' सम्मान से अलंकृत किया गया। यह सम्मान मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार द्वारा प्रदान किया गया।

21 मार्च 2026 को 8/17 पाली के दौरान लोको संख्या 70532 के अंडर ट्रक निरीक्षण करते समय श्री राय ने एमआर-1 टैंक के होल्डिंग ब्रैकेट को टूटा हुआ पाया। यह ब्रैकेट एमआर टैंक को सहारा देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। इसके क्षतिग्रस्त होने पर एमआर टैंक के नीचे गिरने की संभावना रहती है, जिससे गंभीर तकनीकी खराबी या दुर्घटना हो सकती थी। राम कुमार राय की सूझबूझ, सतर्कता एवं कर्तव्यनिष्ठा के कारण समय रहते इस संभावित गंभीर फेलियर को टाल दिया गया। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी उन्होंने लोको संख्या 12325 में एमआर टैंक के ब्रैकेट की जांच कर संभावित खतरे को समय रहते समाप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके इस सराहनीय एवं अनुकरणीय कार्य के लिए मंडल रेल प्रबंधक द्वारा उन्हें 2000 की नकद राशि एवं 'एम्प्लॉयी ऑफ द मंथ' का प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक इंफ्रा प्रेम प्रकाश शर्मा, अपर मंडल रेल प्रबंधक परिचालन नंदीश शुक्ल, समेत सभी ब्रांच अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं के विकास–परिवार, समाज व राष्ट्र की प्रगति संभव : विधायक मऊरानीपुर

■ नारी सशक्तिकरण का अर्थ-महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकार, अवसर, सम्मान प्रदान करना

झांसी जयूसं। विधायक मऊरानीपुर डॉ. रश्मि आर्या एवं सदस्य उ.प्र. विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन की उपस्थिति में नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित नारी शक्ति वंदन सम्मेलनज्ज का सजीव प्रसारण विकास भवन सभागार, झांसी में प्रदर्शित किया गया। सजीव प्रसारण के दौरान मुख्य अतिथियों सहित उपस्थित अधिकारी एवं महिला शक्ति द्वारा प्रधानमंत्री के विचारों को सुना गया। सजीव प्रसारण में प्रधानमंत्री द्वारा प्रस्तुत सम्बोधन में कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम या संविधान, 106 वां संशोधन अधिनियम-2023, सितंबर 2023 में पारित एक ऐतिहासिक भारतीय कानून है, जो लोकसभा और राज्य विधान सभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करता है। इसे महिला नेतृत्व वाले विकास की पहल के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य कानून निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना है, इसका क्रियान्वयन अगली जनगणना और उसके बाद परिसीमन से जुड़ा है, जिसका लक्ष्य 2029 तक है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति केवल समाज की आधारशिला ही नहीं अपुति राष्ट्र निर्माण की एक सबसे सशक्त प्रेरणा भी है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम, महिलाओं को समान अधिकार और राजनीतिक भागीदारी में सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। सजीव प्रसारण के उपरान्त विधायक मऊरानीपुर डॉ. रश्मि आर्या ने कहा कि नारी सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को समाज के प्रत्येक क्षेत्र में समान अधिकार, अवसर एवं सम्मान प्रदान करना है, यह केवल सामाजिक सुधार तक ही सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, उद्योग, कानून और मानवाधिकार से भी जुड़ा हुआ विषय है। महिलाओं के विकास की स्थिति सीधे परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति को प्रभावित करती है, जिस कारण भारत जैसे प्रगतिशील देश में नारी एकता को भी विशेष महत्व दिया जाता है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये सदस्य उप्र. विधान परिषद श्रीमती रमा निरंजन ने कहा कि महिलाओं द्वारा समाज की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व किया जाता हैं। उन्होंने कहा कि यदि महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के समान अवसर प्राप्त होंगे तो वह देश के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकेंगी। कार्यक्रम के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रति वर्मा, जिला प्रोबेशन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार पटेल, जिला कार्यक्रम अधिकारी दिनेश राजपूत सहित शिक्षा विभाग से अध्यापक, ग्रामीण आजीविका मिशन की समूह सखी, बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकत्रियां, सहायिकायें, सुपरवाइजर, ग्राम प्रधान एवं महिला कल्याण विभाग के कार्मिक उपस्थित रहें।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी